वार्षिक प्रतिवेदन
2021

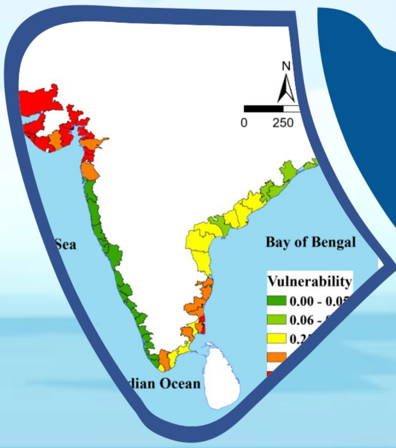

भाकृअनुप - केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा

डॉ. प्रमोद सावंत,
माननीय मुख्यमंत्री गोवा का आगमन

श्री कैलाश चौधरी, माननीय केंद्रीय कृषि एवं
किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार का आगमन

श्री श्रीपाद येसो नाईक, माननीय राज्य मंत्री, पर्यटन और
बंदरगाह, नौरवहन और जलमार्ग मंत्री,
भारत सरकार का आगमन

श्रीमती शोभा करंदलाजे माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान
कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार का आगमन

श्री पुरूषोत्तम रूपाला माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन एवं
पशुपालन और डेअरी मंत्री, भारत सरकार का आगमन

ससंदिय समिती (कृषि)
भारत सरकार का आगमन

वार्षिक प्रतिवेदन
2021

भाकृअनुप - केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा
ICAR - CENTRAL COASTAL AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE, GOA
Ela, Old Goa, Goa - 403 402

वार्षिक प्रतिवेदन
2021

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान

एला, ओल्ड गोवा 403402 गोवा (भारत)
(आई.एस.ओ. प्रमाणित संगठन)

प्रकाशन एंव सम्पर्क सूत्र

निदेशक

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा

फोन : 0832-2995095

ई–मेल : director.ccari@icar.gov.in

संपादक मंडल

डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. ए रायजादा, डॉ. मतला जूलियट गुप्ता एवं शशि विश्वकर्मा

तकनीकी सहायक

श्रीमति श्रेया बर्वे, सुश्री सिद्धांति परब

प्रस्तावना

भारत का तटीय पारिस्थितिकी तंत्र, लगभग 7500 किमी में फैला है। यह क्षेत्र फसल, वृक्ष, पशु और मछली इत्यादि जैव विविधता से भरपूर उत्पादन प्रणालियों में से एक है परंतु यह प्राकृतिक आपदाओं, जैसे समुद्र के स्तर में वृद्धि, चक्रवातों और जलवायु परिवर्तन की घटनाओं के मध्य नजर यह देश के सबसे कमजोर पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है, जिसमें इन घटनाओं की आवृत्ति में पिछले दशक में बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अतिरिक्त, यहाँ भूमि के उपयोग में परिवर्तन, अवसंरचना विकास, भूमि–सुधार और अनियोजित शहरीकरण जैसी मानव जनित गतिविधियों के कारण भूजल लवणता, घटती भूजल स्तर, मृदा अपरदन, तलछट भार में वृद्धि, फसलों की पैदावार में ठहराव, मछलियों की पकड़ में कमी और जैव विविधता की हानि जैसी समस्याओं का विस्तार हुआ है।

भाकृअनुप–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा, मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, क्षेत्रीय फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, अधिक उत्पादक फसलों का प्रजनन, स्थानीय उच्च उपज वाले फल वृक्षों की पहचान करना, पशु स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नवीन तकनीकी का विकास, मछली उत्पादकता में वृद्धि और हाल ही में उद्यमिता विकास के लिए एक नई पहल के रूप में कृषि–पारिस्थितिकी पर्यटन की अवधारणा का विकास और पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा और मूल्यांकन में नागरिकों को शामिल करने के अलावा कृषि में युवाओं को बनाए रखना इत्यादि के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास करता है।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने छोटी जोतों वाले तराई क्षेत्रों में चावल आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल और रोपण फसल–आधारित मॉडल का विकास किया है जो कृषक भाइयों के लिए लाभदायक और टिकाऊ भी है। लवणता से प्रभावित क्षेत्रों में पोषक तत्व प्रबंधन, लवणरोधी धान की किस्मों (गोवा धान 3) एवं संस्थान द्वारा विकसित जैव–घटक (गोवा बायो –1) का उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थान में आम, काजू, कटहल, कसावा, जायफल और चावल आदि का बड़ी जर्मप्लाज्म इन्वेंट्री भी संरक्षित है।

संस्थान को विभिन्न विषयों में अनुसंधान अध्ययन के लिए बाहरी एजेंसियों से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। इस वर्ष के दौरान संस्थान ने शूकर वीर्य के संरक्षण–विस्तारक के लिए एक पेटेंट भी अर्जित किया और उपज के मूल्य संवर्धन के लिए दो एफ.ई.आर. प्रस्तुत किए, दो समझौता ज्ञापनों और बीज सामग्री के हस्तांतरण और सी.आइ.एम.ए.पी., लखनऊ के साथ करकुमा लोंगा (काली मिर्च) की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक सामग्री हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र ने विभिन्न विषयों पर 63 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया और 1478 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया, जिनमें से 75 कृषि स्नातक भी शामिल थे। संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न पत्रिकाओं में कुल 61 शोध पत्र प्रकाशित किए, जिनमें से क्रमशः 14,13, 21 और 13 पेपर 10, 8, 6 और 6 की एन.ए.ए.एस. रेटिंग वाले पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

यह रिपोर्ट 2021 के दौरान भाकृअनुप–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा के शोध एवं अन्य कार्यों का एक संक्षिप्त सारांश है, जो संस्थान की गतिविधियों की विविधता को दर्शाती है। हमारे आगामी अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के सुधार के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

किसानों, वित्त पोषण एजेंसियों एवं राज्यों के संबंधित विभागों के समर्थन हेतु मै कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करता हूँ। डॉ त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक, भाकृअनुप और डी.ए.आर.ई. के सचिव को उनके संरक्षता, समर्थन और हमारे संस्थान की गतिविधियों में गहरी रुचि के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (एन.आर.एम.) डॉ सुरेश कुमार चौधरी जी को उनके निरंतर समर्थन, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ।

स्थान: ओल्ड गोवा
तिथि: 12.12.2022

(प्रवीण कुमार)
निदेशक

भाकृअनुप -केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान
एला, ओल्ड गोवा 403402, गोवा (भारत)

भाकृअनुप- केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का वार्षिक प्रतिवेदन एक संस्थानिक प्रकाशन है। इस रिपोर्ट में वर्ष 2021 में हुए शोधकार्य का लेख सम्मलित है। इसलिए इस रिपोर्ट में लिहित सामग्री का उपयोग वैज्ञानिक संदर्भ के रूप में प्रकाशक की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का वार्षिक प्रतिवेदन बिक्री हेतु नहीं है।

परिचय

भाकृअनुप–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा एक सर्वोत्तम बहु–विषयक संस्थान है, जो देश के तटीय पारिस्थितिकी तंत्र में टिकाऊ कृषि और संबद्ध गतिविधियों के विकास के मुद्दों का समाधान करने के लिए सतत काम कर रहा है। यह पारिस्थितिकी तंत्र भारत के नौ राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों के 28.39 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। संस्थान को प्राकृतिक संसाधन से संबंधित क्षेत्रों, बागवानी फसलों, पशुधन और मत्स्य पालन में अनुसंधान और विस्तार कार्य करने तथा तटीय क्षेत्र में जलवायु–अनुकूल भूमि उपयोग, कृषि प्रणालियों का विकास एवं कृषि–पारिस्थितिकी पर्यटन आदि पर शोध द्वारा तटीय प्रदेशों में स्थायी उत्पादकता सुनिश्चित करने का अधिदेश प्राप्त है।

इस संस्थान को अप्रैल 1976 में पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र के भाकृअनुप– अनुसंधान परिसर के एक हिस्से के रूप में गोवा के लिए भाकृअनुप– अनुसंधान परिसर के नाम से स्थापित किया गया था। तदुपरांत इसे केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड, केरल के प्रशासनिक और तकनीकी नियंत्रण के तहत लाया गया था। गोवा में विभिन्न सरकारी कृषि फार्म स्थलों पर कार्य करने के बाद, इस संस्थान को अंततः वर्ष 1982 में ओल्ड गोवा में स्थानांतरित कर दिया गया था। गोवा राज्य में कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अप्रैल 1989 में इसे एक अलग संस्थान के रूप में बनाया गया। 1 अप्रैल 2014 तक संस्थान की अनुसंधान गतिविधियां गोवा की कृषि अनुसंधान जरूरतों को पूरा करने तक ही सीमित थीं। वर्ष 2014 में संस्थान को भाकृअनुप–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान के रूप में अपग्रेड किया गया तथा इसका कार्यक्षेत्र 9 तटीय राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल) के 80 जिलें एवं 7 जिलें केंद्र शासित प्रदेशों (दादरा और नगर हवेली और दमन और ड्यू और पुदुचेरी) में फैंले हुए हैं। इस संस्थान का मुख्य उद्देश तटीय कृषि पर अनुसंधान करना है।

भाकृअनुप–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (प्रा.सं.प्र.) प्रभाग के अंतर्गत आता है और यह ओल्ड गोवा में स्थित है। इस संस्थान का दृष्टिकोण टिकाऊ तटीय कृषि अनुसंधान में वैश्विक उत्कृष्टता है। इस संस्थान के पास निम्नलिखित अधिदेश हैं:

i. तटीय भारत के प्राकृतिक संसाधनों में सतत उत्पादकता के लिए के लिए बागवानी फसलों, पशुधन और मत्स्य पालन, आदि प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान।

ii. तटीय कृषि के माध्यम से उन्नत और टिकाऊ आजीविका के लिए जलवायु–अनुकूल भूमि उपयोग और कृषि प्रणालियों का विकास करना।

iii. कृषि–पारिस्थितिकी पर्यटन के केंद्र के रूप में कार्यान्वयन।

इस संस्थान में चार प्रमुख संभाग हैं– प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, फसल विज्ञान, बागवानी विज्ञान और पशु एवं मत्स्य विज्ञान। संस्थान के अध्यक्ष निदेशक हैं, जिनको 23 वैज्ञानिकों, 13 तकनीकी, 15 प्रशासनिक और 19 कुशल सहायक कर्मचारियों का संयोग एवं समर्थन पाप्त है। संस्थान के कुल कर्मचारियों की संख्या 70 है। संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रमों को संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा सुव्यवस्थित किया जाता है।

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र हैं:

i. तटीय क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन।

ii. तटीय क्षेत्र में आनुवांशिक संसाधनों का संरक्षण और उपयोग।

iii. तटीय क्षेत्र की प्रमुख फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रमाणीकरण।

iv. पशुधन और मात्स्यिकी की उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रमाणीकरण।

V. फसलोपरांत प्रौद्योगिकियों और अन्य कृषि उद्यमों के माध्यम से आजीविका सुरक्षा में सुधार

संस्थान ने फसल की उत्तम किस्मों और बागवानी फसलों के परिग्रहणों की पहचान में महत्वपूर्ण अनुसंधान योगदान; काजू, नारियल और आम में उपयुक्त मृदा और जल संरक्षण उपायों का विकास; एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडलों का विकास; रोपण और सब्जी फसलों में प्रमुख कीटों और बीमारियों के पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन, गोवा की क्षेत्रीय और बागवानी फसलों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास और मानकीकरण; सब्जी और फूल उत्पादन के लिए कम लागत वाली संरक्षित संरचनाओं का मानकीकरण; मवेशियों, बकरी, भैंस, शूकर और मुर्गी पालन के लिए मानकीकरण; रोग निदान और पशु स्वास्थ्य प्रबंधन; अलंकारिक मछली पालन, कार्प और खारे पानी के मछलियों का पालन एवं मानकीकरण; शंबुक पालन प्रथाओं का मानकीकरण; पी.एफ.जेड़. का प्रसार और परामर्शों का प्रमाणीकरण; तथा गोवा के मछलियों में जैव–विविधता की खोज आदि में योगदान दिया है।

इसके अतिरिक्त संस्थान अपने कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से कृषि ओ.एफ.टी., एफ.एल.डी, प्रशिक्षण, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से प्रौद्योगिकी के हस्तातारण में भी लगा हुआ है।

वैज्ञानिकों के अनुसंधान उपलब्धियां, किसानों के खेतों में स्थानांतरित तकनीकी, कर्मचारियों को प्रदान किए गए पुरस्कार एंव मान्यताएं और संस्थान द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रमों को रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है।

अनुसंधान उपलब्धियों का सारांश

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन संभाग

भारत की पूर्व दिशा में बहने वाली नदियों के वार्षिक और मौसमी प्रवाह के रुझान का अनुमान चार राज्यों और 16 नदीयों के बेसिनों में फैले 26 गॉजिंग स्टेशनों से लगाया गया है। कृष्णा और गोदावरी के निचले उप-बेसिनों में धारा प्रवाह में म हत्वपूर्ण गिरावट देखी गई, जो घटती वर्षा के फलस्वरूप है। सर्दियों और मानसून अवधि के दौरान पूर्व दिशा में बहते नदियों के प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जोकि बढ़ती वर्षा प्रवृत्ति से हो सकता है।

गोवा के तराई प्रदेशों के लिए 0.5 हेक्टेयर का एक धान आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली (फसल + डेरी + मात्स्यिकी) का मानकीकरण किया गया है। इस मॉडल में प्रति वर्ष 1.62 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जिसमें फसलों का 61% एवं डेयरी 22% का योगदान रहा। इस प्रणाली में लगभग 55 कि.ग्राम नत्रजन(एन), 32.5 कि.ग्राम फॉसफोरस और 67 कि.ग्राम पोटैशियम का फसल अवशेष के रूप में पुनरावृत्ति किया गया। इस प्रणाली द्वारा 352 दिवस मानव रोजगार का सृजन किया गया।

धान+दुग्ध उत्पादन समेकित कृषि प्रणाली पद्धति

रोपण फसल-आधारित (सुपारी + काजू + नारियल + पशुधन) प्रणाली (0.8 हेक्टेयर क्षेत्रफल), में प्रति वर्ष 1.98 लाख रुपये की शुद्ध लाभ अर्जित किया गया, इसमें सबसे अधिक योगदान क्रमश: सुपारी आधारित फसलचक्र प्रणाली (46%) तथा काजू + अनानास (23%) का रहा। इस प्रणाली के द्वारा 257 मानव दिवस रोजगार और अवशेष पुनर्चक्रण के माध्यम से 68.5 कि. ग्राम (एन), 42.3 कि.ग्राम (पी) और 78.2 कि. ग्राम (के) पोषक तत्वों का पुर्नवीनीकरण किया गया।

अनाज की उपज, जमीन के ऊपर का बायोमास, ऊर्जा दक्षता, लाभप्रदता और मृदा के कार्बन स्टॉक पर प्रभाव का आकलन करने के लिए लाल लैटेरिटिक मृदाओं में दो कृषि प्रथाओं (संरक्षण और पारंपरिक) के तहत चावल आधारित फसल प्रणालियों का मूल्यांकन किया गया। जीरो टिलेज पद्धति द्वारा बेबी कॉर्न, मूंग इत्यादि फसल चक्र अपनानें से यह पाया गया कि उत्पादन, शुद्ध लाभ,

अनुमानित सकल कार्बन इनपुट, जमीन के ऊपर का बायोमास उत्पादन और मृदा कार्बन स्टॉक में क्रमशः 29.1, 48.2, 121, 32.7 और 48.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

लवणता प्रभावित तटीय मृदा में धान की खेती हेतू मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक अनुप्रयोग के पोषण प्रबंधन में पाया गया कि तीन धान किस्मों में 3.61 टन प्रति हेक्टेयर के उपज के साथ 'गोवा धान 3'का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

'गोवा बायो–1' (जैवगठन) का उपयोग लवणता प्रभावित तटीय मृदा (29 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल) में धान की फसल में सुधार लाने के लिए किया गया। ('गोवा बायो–1') 40 ग्राम/प्रति कि. ग्राम बीज के उपयोग से चावल की पैदावार में सुधार हुआ और किसानों के पारंपरिक पद्धति की तुलना में उनके आय में 38% की वृद्धि हुई।

तटीय लवणीय परिस्थितियों में विभिन्न धान–आधारित फसल प्रणालियों का मूल्यांकन

भारत के तटीय जिलों की जलवायु परिवर्तन का आंकलन संवेदनशीलता, जोखिम और अनुकूलन क्षमता संकेत के आंकड़ों के आधार पर किया गया। व्यक्तिगत संकेत को संवेदनशीलता और कार्यात्मक भार संबंध के

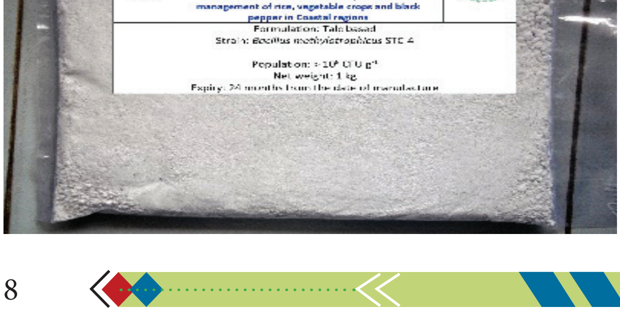

'गोवा बायो –1' का पैकेट और एक उत्कृष्ट धान की फसल का दृश्य

आधार पर सामान्य पाया गया। जलवायु परिवर्तन के दृष्टि से गुजरात के तटीय जिले सबसे कमजोर पाए गए, जबकि महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल के जिले कम संवेदनशील पाए गए।

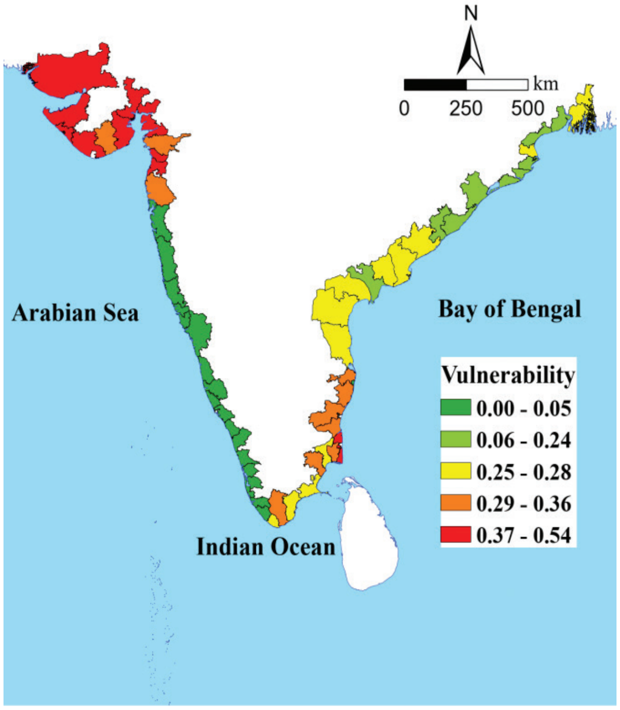

भारतीय तटरेखा के साथ जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदमशील क्षेत्रो को दर्शाने वाला मानचित्र

सात विभिन्न चारा घासों के साथ नारियल बागानों के तहत सिलवोपॉस्टोरल पद्धति का अध्ययन किया गया और बाजरा–नेपियर हाइब्रिड (सीओ–5) (24.7 टन/हे.) से सबसे अधिक हरा चारा प्राप्त हुआ।

नारियल की कतारो में सूपर नेपियर फसल की खेती

नारियल के बागानो मे बाजरा- संकर नेपियार (0-5) की बुवाई फसल

बागवानी विज्ञान संभाग

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा, एवं भाकृअनुप एन.बी.एस.एस.एल.यू.पी., नागपुर से खरीदे गए मृदा संसाधन मानचित्रों का उपयोग करके गोवा में नारियल और सुपारी के लिए भूमि अनुकूल मानचित्र विकसित किए गए हैं। गोवा में नारियल और सुपारी के लिए मध्यम अनुकूल क्षेत्र क्रमशः 75,622 और 65,638 हेक्टेयर है, जबकि नारियल और सुपारी के लिए सीमित रूप से उपयुक्त क्षेत्र क्रमशः 75,181 और 40,491 हेक्टेयर है। इन फसलो का वास्तविक क्षेत्रफल क्रमशः 25,000 और 1,150 हेक्टेयर है। अत: गोवा राज्य में नारियल और सुपारी की खेती करने के लिए काफी मध्यम उपयुक्त क्षेत्रफल उपलब्ध है।

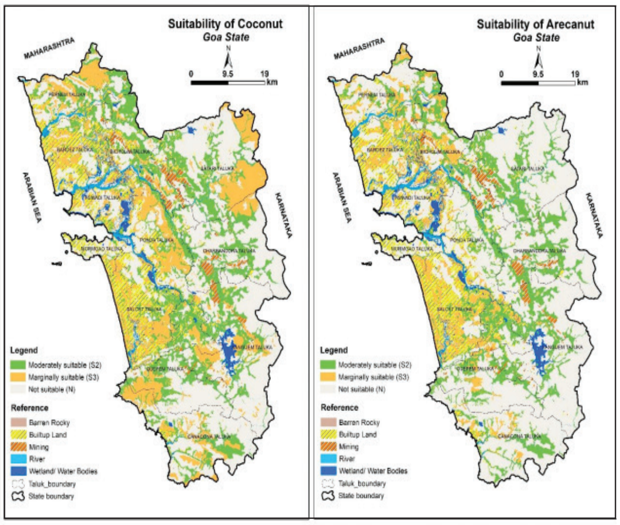

संस्थान में आम जर्मप्लाज्म बैंक में कुल 144 विभिन्न आम की प्रजातियों का संग्रह हैं। अचार के लिए उपयुक्त आम की 14 प्रजातियों को पिकलिंग ब्लॉक के रूप में स्थापित किया गया है । इनमे 3 प्रजातियों के आम परिपक्व रूप में अचार बनाने के लिए उपयुक्त, 9 स्थानीय किस्मे एवं 2 सिरसी के किस्मे हैं, जो अपरिपक्व स्थिति में अचार बनाने योग्य हैं। कोकम के 60 जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन किया जा रहा है। कटहल के विभिन्न तटीय राज्यों से 24 किस्मों एवं गोवा के स्थानीय किस्मों का जर्मप्लाज्म स्थापित किया गया है।

जर्मप्लाज्म बैंक में कुल 88 काजू के अभिगम संरक्षित हैं। बड़े आकार के नट वाले अभिगमों के मूल्यांकन के परिणामस्वरूप एक विशिष्ठ प्रजाति, टुडल-1 की पहचान हुई, जो लगातार आशाजनक प्रदर्शन दर्ज करा रही है (नट की उपज - 8.88 कि. ग्राम/ पेड़)। गोवा राज्य में खेती के लिए प्रजाति विमोचन प्रस्ताव जमा करने के लिए इसे चुना गया है।

काजु टुडाल -1 सेलेक्शन

विभिन्न समय के अंतराल पर दस से ज्यादा फसल घटकों के साथ आधे हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र फल के नारियल आधारित बहु–प्रजाति प्रणाली का आय सृजन क्षमता का अध्ययन किया गया, वर्ष 2020-21 के दौरान इस प्रणाली का शुद्ध आय रु 1,10,22 पाया गया।

चिप्स् बनाने के लिए चार कटहल परिग्रहणो (बीटी 1, बीटी 2, सीटी 1 और सीटी 2) की उपयुक्तता का अध्ययन करने पर पाया कि बीटी 1 के परिग्रहण की सर्वाधिक चिप्स रिकवरी (53.33 ± 9.09%) थी।

फसल विज्ञान संभाग

मिर्च में विषाणुजनित रोग के बचाव हेतु रसायनों जैसे काइटोसेन, स्पिनोसैड (सूक्ष्मजीव घटक), एवं आरएचसी 6-2 बी (जैव घटक) का मूल्यांकन दो संकर मिर्च की किस्में (वी.एन.आर. 332 और अर्का मेघना) पर किया गया तथा परिणामों से ज्ञात हुआ कि कुल उपज क्रमशः 40.5 टन/हे., 34.4 टन/हे., एवं 33.9 टन/हे. प्राप्त हुआ।

इस संस्थान में धान के 200 स्थानीय एवं जंगली प्रजातियों और प्रजनन लाइनों के जर्मप्लाज्मों का संग्रहन और रख रखाव किया जा रहा है। 34 एस.एस.आर. मार्कर का उपयोग करके 200 जर्मप्लाज्मों के जीन मैपिंग करने पर अतिरिक्त 14 धान की गुणों का पहचान हुआ है, जो किस्म की विशिष्टता की खोज में मदद कर सकते हैं।

सफेद मक्खी का संक्रमण नारियल केला, अमरूद, काजू, सुपारी, आम, काली मिर्च, हेलिकोनिया, पपीता, सिट्रस, एवोकैडो, चाफा, मक्का पर दर्ज किया गया। सफेद मक्खी को नियंत्रित करने वाले प्राकृतिक परभक्षी जैसे मल्लाडा *बोनिनेन्सिस ओकामोटो* और *पैरासिटॉयड एन्कारसिया गुएडेलोपे विगयानी* उल्लेखनीय हैं।

अधिक से अधिक एन्ट्रॉपी निच मॉडलिंग के माध्यम से 19 जैव–सीमावर्ती चर का उपयोग करते हुए सफेद मक्खी के भौगोलिक वितरण पर अध्ययन किया गया। वर्तमान और भविष्य के जलवायु आधारित जैव अनुकूलता से पाया गया है की इसका संक्रमण भारत के तटीय और दक्षिणी राज्यों में अत्यधिक व्यापक है।

फॉल आर्मीवर्म, (स्पोडोप्टेरा फ्रुगीपरदा) का चारे मक्का पर संक्रमण दर्ज किया गया। मक्का में इस कीट का संक्रमण वनस्पति अवस्था में अधिक होता है। अंड परजीवी जैसे टेलीनोमस और ट्राइकोग्रामा प्रजाति को फॉल आर्मीवर्म के अंडों का पारजीवीकरण करते देखा गया। रोव बीटल (पैडेरस फुसिपीज़) नामक कीट फॉल आर्मीवर्म के लार्वे को परभक्षी करते हुए देखा गया। चारा मक्का के खेतों में स्पोडोप्टेरा फ्रुगीपरडा न्यूक्लोपोलिहेद्रो वायरस से फॉल आर्मीवर्म के लार्वे को संक्रमित करते हुए देखा गया है।

फॉल आर्मीवर्म के प्रबंधन में अंतर–फसलों के प्रभाव का अध्ययन करने पर पाया गया हैं कि चारा मक्का के साथ लोबियी, मूँग अरहर एंव मूंगफली के अंतर – फसल प्रक्रिया में लोबिया मूँगफली के करण फॉल आर्मीवर्म द्वारा नुकसान में कमी आई और हरे चारे की पैदावार अधिक हुई।

चारा मक्का में (क) लोबीया (ख) मूंग एंव (ग)मबंगफली के साथ अंतर–फसल प्रक्रिया

गोवा बायो –1 एवं 2 का टाल्क और 6 लॉग सी.एफ.यू. प्रति ग्राम की आबादी वाले कैप्सूल के प्रयोग से बैक्टीरिया (आर. सी. एच. 6-2 बी और एस. टी. सी. –4) के अध्ययन से पाया गया कि 12 महीने के भीतर इनका आबादी बढ़कर 7-8 लॉग सी. एफ. यू. प्रति ग्राम हो गया है। यह संकेत देते हुए कि टॉल्क और कैप्सूल फॉर्मूलों से दिए गए बैक्टीरिया अच्छी तरह से जीवित रहते हैं और फसल को बेहतर विकास, लाभ और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

चार साल के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि काली मिर्च की फसल में आर्द्र गलन रोग के नियंत्रण में गोवा बायो –1 के चूर्ण प्रभावी है। गोवा बायो –1 से उपचारित पौधे अच्छा विकास और उच्च उपज उत्पादन दर्ज किए।

संस्थान में गोवा बायों 1 और गोवा बायों 2 का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया गया तथा मिर्ची की फसल में रोग प्रबंधन हेतु वितरीत किया गया तथा किसानों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्र प्रदर्शनों में देखा गया है की इसके उपचार से फसलों में विगलन या अन्य मृदाजनित रोगों के कोई लक्षण नहीं पाया गया।

56 क्षेत्रीय प्रदर्शनों के परिणामों से पता चला है कि गोवा बायो–1 और गोवा बायो–2 के उपयोग के साथ–साथ चिटोसन/स्पिनोसैड के छिड़काव से वायरस रोग के संक्रमण में क्रमशः 27-38 और 23-28 प्रतिशत की कमी आई है। गोवा–1 एंव गोवा बायो–2 के प्रयोग से सूखी मिर्च की पैदावार में क्रमश: 46-60 और 28-35 प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गई।

किसानों को सप्ताह में दो बार मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवा जारी किया जाता है। साथ ही अंग्रेजी और कोंकणी में प्रकाशित द्विभाषी बुलेटिन (मौसम आधारित कृषि परामर्श) के माध्यम से व्यापक और प्रभावी प्रसार किया गया है। 2021 में कुल 105 सलाहकार बुलेटिन तैयार किए गए और प्रसारित किए गए। उत्तरी गोवा जिले के 195 गांवों के 7000 किसानों को एएएस बुलेटिन प्रसारित करने के लिए लगभग 130 वाट्सप समूह बनाए गए हैं।

वर्ष 2021 के दौरान भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा के फार्म में धान, लोबिया और अरहर का क्रमशः 19,2 और 1 क्विंटल प्रजनक बीज का उत्पादन किया गया।

पशु विज्ञान संभाग

भारत के पश्चिमी तट के विभिन्न मुहानों से मछली के सामुदायिक संरचनाओं की विशेषता का अध्ययन किया गया । कुल 224,174, 197, 68, 65, 169, 102, 59, 80 और 51 प्रजातियों को क्रमशः जुआरी, मंडोवी, तेरेखोल, चपोरा, साल, काली, अगानाशिनी, शारवती, गंगावली, पूंथुरा, ज्वारनदमुख से अतः कुल योग 302 प्रजातियों को एकत्र किया गया।

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित नदीमुखों के लिए ई.एम.एफ.आई. और समग्र दबाव सूचकांक (सी. पी.आई.) को परिभाषित किया गया। इन सूचकांकों के आधार पर, केवल तीन मुहानों की पहचान की गई। जिनमें 3 नदीमुख (गंगावली, मंडोवी और जुआरी) अच्छे तथा 18 नदीमुख मध्यम एवं 2 नदीमुख तथा नर्मदा और उल्हास का स्तर निम्न पाए गए।

पशुओं की नस्लों में हीट शॉक प्रोटीन जीन (एच.एस.पी.70 और एच.एस.पी.90) के पी.सी.आर. प्रवर्धन को मानकीकृत किया गया है। श्वेत कपिला मवेशी, अगोंडा गोवन शूकर और कोंकण कन्याल बकरीं के भौतिक– जैव रसायनिक अध्ययनों से पाया गया की इन पशुओं में बेहतर उष्ण–सहिष्णु गुण हैं।

पांचवीं पीढ़ी के बाद क्रॉसब्रैड शूकरों के प्रदर्शन में जन्म भार 1.07 ± 0.03 कि.ग्राम तथा प्रौढ़ भार 77.22 ± 2.0 कि.ग्राम देखा गया। इस प्रजाति के शूकर को आई.सी.ए.आर. – राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी और संसाधन ब्यूरो, करनाल, हरियाणा में 'गोया' के रूप में पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया है।

उप–नैदानिक मैस्टिटिस से जुड़े सबसे अधिक प्रचलित रोगजन समूह, कोगुलेज नकारात्मक स्टेफिलोकसी की प्रजाति और उग्रता गुणों का अध्ययन किया गया।

राष्ट्रीय पशु रोग महामारी विज्ञान नेटवर्क के हिस्से के रूप में, रोग प्रकोप जांच और मासिक प्रकोप रिपोर्टिंग की गई।

स्वदेशी अगोंडा गोवन शूकरों के प्रजनन लक्षण

के हिस्से के रूप में, गुणात्मक और मात्रात्मक वीर्य विशेषताओं सहित प्रमुख मौलिक लक्षणों का मूल्यांकन किया गया।

गोवा और कर्नाटक के 150 से अधिक कुक्कुट किसानों के साक्षात्कार से पता चला है कि गोवा के छोटे– बैकयार्ड कुक्कुट पालकों के सामने प्रमुख बाधाओं में फीड (92 प्रतिशत), बीमारियों (86 प्रतिशत), प्रसार के लिए गुणवत्ता स्टॉक / प्रजनन संबंधित समस्याए (68 प्रतिशत), पर्यावरण संबंधित समस्याए (54 प्रतिशत) और कुशल श्रम (40 प्रतिशत) की अनुपलब्धता शामिल थी। जबकि उत्तर कर्नाटक क्षेत्र में मुख्य बाधा गुणवत्ता कुक्कुट जर्मप्लाज्म और कुक्कुट उत्पादों के विपणन की अनुपलब्धता थी।

पश्चिमी घाटों, के क्षेत्रों में स्थानीय सजावटी मछलियों की प्रजातियों के लिए प्रजनन और बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी का मानकीकरण किया गया।

घरेलू और निर्यात बाजारों में इस तकनीक की काफी संभावना है क्योंकि विपणन योग्य आकार की म छली की दर रु 50/– प्रति मछली है। मीठे पानी की तालाबों के लिए एक नवीन लघु–स्वदेशी मछली आधारित पॉलीकल्चर (*लेट्स कैलरीफर*) का मूल्यांकन किया गया।

गोवा के तटीय क्षेत्र के लिए 13 प्रकार के कृषि उत्पादों (मछली, शूकर, मुर्गी पालन, सब्जियों, फलों और वर्मी कम्पोस्टिंग) का सृजन करने वाली एक अनूठी पशुधन–मछली आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली (आई.एफ. एस.) विकसित की गई है, जो पारंपरिक मछली पालन प्रणाली की तुलना में अधिक लाभदायक, टिकाऊ और संसाधन–कुशल है। इस प्रणाली में अनुमानित वार्षिक लागत (मिश्रित और परिचालन) रु. 29.0 लाख रुपए आया । जिनमें कुल आय 75 लाख रुपये, शुद्ध लाभ 46.4 लाख रुपये तथा लाभ लागत अनुपात (2.6) पाया गया।

छोटे स्वदेशी मछली (एस.आई.एफ.), तिलपिया के साथ–साथ ग्लासफिश (*अम्बासिस अम्बासिस*) आदि का इस्तेमाल एशियाई समुद्री वॉस के भोजन के रूप में प्रयोग किया गया है। एसआईएफएस में इस्तेमाल की जाने वाली प्रजातियों में *रसबोरा दांडिया, सिस्टोमस सराना, पुनीटस विटैटस* और *पुनीटस माहेकोला* शामिल हैं। एस.आई.एफ.एस. और तिलपिया के साथ ग्लासफिश का उपयोग तेजी से विकास, उच्च उपज और गुणवत्तापूर्ण मछली उत्पादन हासिल करने के लिए एक बेहतर विकल्प होगा। दो महीने की अवधि के बाद किए गए पहले नमूने के दौरान, एस.आई.एफ.एस. पॉलीकल्चर प्रयोग से औसत सीबास की वृद्धि 277 ± 0.10 ग्राम पाया गया।

एशियाई सीबास (जंगली बीज) की तालाब में खेती

टीन के डिब्बे और रिटॉर्ट पाउच में चिकन शाकुती के थर्मल प्रसंस्करण के लिए मानदण्डों का मानकीकरण किया गया है तथा इनके भंडारण के अध्ययन के लिए इस खाद्य पदार्थ को 30 डिग्री से. पर 180 दिनों के लिए रखा गया।

टीन के डिब्बे मे थर्मल प्रसंस्कृत चिकन शाकुत्ती

रिटॉर्ट में थर्मल प्रसंस्कृत चिकन शाकुत्ती

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं (ए.आई.सी.आर.पी)

पिछले पांच वर्षों (2016-20) के दौरान गोवा केंद्र में नारियल आधारित फसल प्रणाली मॉडल का मूल्यांकन किया गया है। नारियल की प्रणाली में अनानास और कृष्ण कमल फल के साथ अंतर – फसल से पाया गया कि नारियल के नट्स की संख्या 9937 तथा लाभ–लागत अनुपात 2.16 था जबकि नारियल मोनोक्रॉप में, लाभ–लागत अनुपात 1.18 था। वर्ष 2020-21 के दौरान, नारियल–लक्ष्मण फल प्रणाली में प्रति हेक्टेयर 2.02 लाख रुपये का शुद्ध लाभ तथा लाभ – लागत अनुपात 3.08 पाया गया।

नारियल – अनानास –कृष्ण कमल फल प्रणाली

सब्जी फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत 12 परीक्षण किए गए, जिनमें बैंगन– (3 किस्म/ संकर प्रजाति मूल्यांकन), मिर्ची–2 (किस्म/ संकर प्रजाति मूल्यांकन), भेंड़ी–2 (वाई.वी.एम.वी. किस्म), टमाटर–5 (संकर प्रजाति मूल्यांकन और टोलेसीवी किस्म/संकर) शामिल थे।

आठ महीने की उम्र में क्रॉस–ब्रेड शूकरों ने 77.22 ± 2.09 कि.ग्रा. वजन हासिल किया। भाकृअनुप –राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी एवं संसाधन ब्यूरो (आई. सी.ए.आर.–एन.बी.ए.जी.आर.), करनाल, हरियाणा को इस क्रास नस्ल को 'गोया' के रूप में पंजीकरण के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

ए.आई. प्रौद्योगिकी किसानों में हस्तांतरित की गई। जनजातीय सह–योजना (टी.एस.पी.) और अनुसूचित जाति सह–योजना (एस.सी.एस.पी.) कार्यक्रम के तहत पश्चिमी तटीय क्षेत्र के प्रगतिशील शूकर किसानों को जर्मप्लाज्म, औषधीय पदार्थों के वितरण के साथ–साथ वैज्ञानिक शूकर पालन पर प्रशिक्षण दिया गया।

बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं

गोवा के प्रमुख सब्जी फसलों में टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन प्रौद्योगिकियों के द्वारा किसानों का सशक्तिकरण (नाबार्ड)

मिर्च में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन प्रौद्योगिकियों पर प्रथम पंक्ति/आग्रिम पंक्ति प्रदर्शन छः तालुकओं में किया गया था, जिसमें कानाकोना, सांगेम, केपेम, तिस्वाडी, बिचोलिम और मापुसा शामिल हैं। गोवा बायो 1, गोवा बायो 2, स्पिनोसाद, चिटोसन और स्टिकी ट्रैप्स जैसे पादप सुरक्षा इनपुट 300 किसानों को वितरित किए गए। जैव–नियंत्रण का नर्सरी एवं खेतों में प्रयोग, स्टिकी ट्रेप, कलम बनाने की विधि एवं जैव रसायन एवं किट रोगों की पहचान एवं नियंत्रण आदि के बारे में कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस परियोजना के तहत किसानों को बेंगन की विल्ट प्रेतिरोधक प्रजातियाँ जैसे गोवा बैंगन–1, 2, 3 और 4 वितरित किए गए।

मिर्च मे एकीकृत कीट एंव रोग प्रबंधन का प्रदर्शन

कुक्कुट परियोजना (भाकृअनुप)

संस्थान में आहाता कुकुट पालन योग्य प्रजातियों जैसे वनराजा, कृषिग्रो, ग्रामप्रिया, देवेन्द्र, निरमीक एवं गोवा की स्थानीय प्रजातियों का पालन किया गया। हैचिंग में ग्रामप्रिया नर पक्षियों का औसत साप्ताहिक वजन, 1, से 7 सप्ताह के लिए क्रमश 36.72, 71.72, 183.53, 343.25, 494.47 और 1008.86 ग्राम पाया गया जबकि ग्रामप्रिया मादा पक्षियों 32.35, 46.10, 96.83, 167.35, 213.35 और 401.90 ग्राम पाया गया था। अंडे का औसत दैनिक उत्पादन 43.18% था और इसका औसत वजन 55.20 ग्राम था। उर्वर अंडे के सेट (एफ.ई.एस.) आधार पर समग्र हैचबिलिटी 75-82% थी।

मुर्गी प्रजाति ग्रामप्रिया

परियोजना: भाकृअनुप–राष्ट्रीय पशु रोग महामारी नेटवर्क

राष्ट्रव्यापी प्रसार अध्ययन के हिस्से के रूप में गोवा से पशुधन रोग प्रकोप जांच एवं नमूना संग्रह इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य हैं। गोवा के दोनों जिलों में बीमारी के प्रकोप की जांच की गई। मल्टीप्लेक्स पीसीआर द्वारा एम. बोवोकुली के रूप में कारक एजेंट की पहचान की गई। 16 एस.–आर.एन.ए जीन के अनुक्रम विश्लेषण के द्वारा इस आइसोलेट की पुष्टि की गई है। प्रभावित जानवरों में स्ट्रेप्टोमाइसिन और पेनिसिलिन एंटीबायोटिक और डेक्सामेथासोन का उपयोग करके उपचार किया गया, जिससे अच्छे परिणाम मिले और पूरी तरह से ठीक हो गए। मेगा–एक्स का उपयोग करते हुए जातिवृत्तीय/वंशावली विश्लेषण ने भारत और अमरीका से अन्य आइसोलेट के साथ गोवन आइसोलेट के क्लस्टर को दर्शाया गया।

विषाणु जनित रोग कंजेक्टीव्हायटीस से ग्रसित पशु

डी.ए.एस.डी, कोझिकोड के माध्यम से केंद्र प्रायोजित एमआईडीएच योजना

मसालों की फसलों के रोपण सामग्री जैसे काली मिर्च की किस्में (पणियुर–1, 5, थेवम, शक्ति), हल्दी के 5 किस्मों के बीज राइजोम (प्रतिभा, प्रगति, सुदर्शन, अलेप्पी सुप्रीम, सेलम), हल्दी के पौध सामग्री, जायफल, दालचीनी, करी पत्ता आदि का उत्पादन और आपूर्ति किसानों को की गई।

काली मिर्च के उच्च घनत्व वाले रोपण का प्रक्षेत प्रदर्शन

भाकृअनुप–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा के द्वारा चार क्षेत्रो (कुर्जुवे, बारदेज, राया, सालसेट) में काली मिर्च की खेती का प्रक्षेत्र प्रदर्शन किया गया। उपरोक्त प्रक्षेत्र प्रदर्शनो में कटाई उपरांत क्रमश में क्रमशः 16.9 कि.ग्राम, 11.6 कि.ग्रा. और 14.2 कि.ग्राम. सूखी काली मिर्च की उत्पादन दर्ज की गई। पाणियूर–1, पाणियूर–5, करीमुंडा और कोट्टायम को संस्थान के प्रक्षेत्र प्रदर्शन के रूप में लगाया गया। पाणियुर–1 और पाणियुर–5 में क्रमश: 9.1 कि.ग्राम. और 7.8 कि.ग्राम. सूखी काली मिर्च का उत्पादन हुआ।

काली मिर्च के पनिपुर–1 के कलमों का प्रदर्शन.

भाकृअनुप – मेगा बीज परियोजना

क्षेत्रीय फसलों में बीज उत्पादन

संस्थान के खेत में खरीफ और रबी मौसम के दौरान गोवा राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय फसलों के लिए गुणवत्ता बीज उत्पादन किया गया। 2021-22 के दौरान प्रजनक बीज की निम्नलिखित मात्रा (तालिका) और सही ढंग से लेबल बीज का उत्पादन किया गया था। प्रजनक बीज का उत्पादन धान की चार किस्मों (गोवा धान 1, गोवा धान 2, गोवा धान 3 और गोवा धान 4) में किया गया था। टी.एल. बीज उत्पादन धान की किस्मों जैसे जया, ज्योति, कर्जत ३ और सहभागी धान और मूँग की किस्मों जैसे टी.एम. 96-2 और आई. पी.एम. 2-14 में किया गया ताकि गोवा सरकार के कृषि विभाग की मांग को पूरा किया जा सके।

खरीफ 2021 के दौरान बीज उत्पादन (संस्थान प्रक्षेत्र)

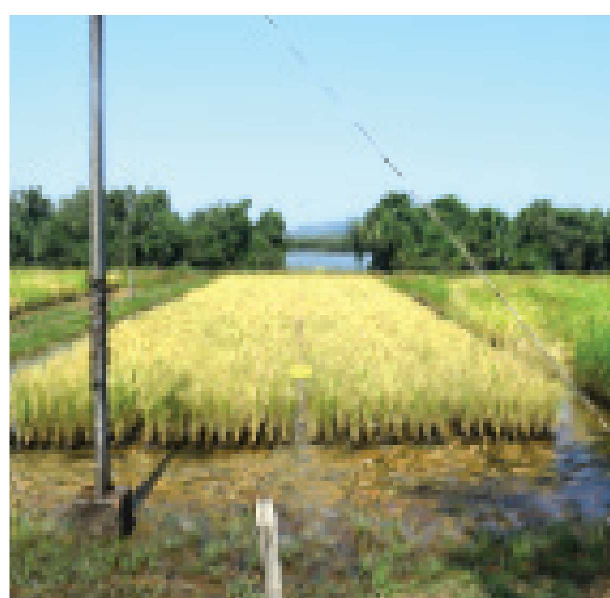

खरीफ 2021 के दौरान बीज उत्पादन (किसान प्रक्षेत्र)

संस्थान के प्रक्षेत्र में उत्पादित बीज की मात्रा

फसल	प्रकार	बीज वर्ग	मात्रा (क्विंटल)
धान	गोवा धान 1	बी.एस	5.0
	गोवा धान 2	बी.एस	1.0
	गोवा धान 3	बी.एस	5.0
	गोवा धान 4	बी.एस	5.0
	जया	टी.एल.एस	1.0
	ज्योति	टी.एल.एस	0.5
	सहभागी धान	टी.एल.एस	1.5
	कर्जत 3	टी.एल.एस	0.5
लोबिया	गोवा लोबिया 3	बी.एस	2.0
मूँग	टीएम 96-2	टी.एल.एस	0.5
	आईपीएम२–14	टी.एल.एस	0.5
खरीफ और रबी सीजन (2021-22) के दौरान संस्थान के खेत में उत्पाादित कुल गुणवत्ता पूर्ण बीज			22.5

धान का प्रक्षेत्र प्रदर्शन एवं कृषक भागीदारी

सहभागी धान के किस्म के बीज को भागीदारी बीज उत्पादन के माध्यम से कानाकोना ब्लॉक के गावडोंगरीम और कोतीगांव में किसानों के बीच गुणा और पुन: वितरण के लिए लिया गया था। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, पौध संरक्षण उपायों और आजीविका बढ़ाने के लिए अन्य उपायों पर प्रशिक्षित किया गया।

किसानों के क्षेत्र में सहभागितापूर्ण बीज उत्पादन

नारियल के बौनी किस्मों जैसे अंकुर–चौघाट नारंगी बौना, गंगाबोंडोम आदि के पौधों के बीज उत्पादन हेतु प्रक्षेत्र में रोपण किया गया तथा नए भूखंड में हिरेहल्ली बौने पौधे लगाए गए। 8 प्रमुख बागवानी फसलों और अन्य फसलों से 5548 गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री तैयार की गई। इस परियोजना से वर्ष 2021 के दौरान 4,18,233 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

वर्ष 2021 में रोपण सामग्री विक्रय की संख्या

फसल	पौधों की संख्या
सुपारी	2357
नारियल	799
केला	95
काली मिर्च	1257
काजू	161
आम	328
कृष्ण फल	120
लौंग	94
अन्य	337
कुल	**5548**

सजावटी मत्स्य बीज उत्पादन

इस वर्ष के दौरान कुल 5000 सजावटी मछली (गुप्पी, मौली, प्लाटी, स्वॉर्ड टेल, गौरेमी, गोल्ड फिश और कोई कार्प), 100 कि.ग्राम. मछली चारा, 40 कि.ग्राम. मीठे पानी की मछली, मत्स्य संसाधनों का 300 पोस्टर, जलीय पौधों के 1000 पौध का उत्पादन किया गया तथा कृषि समुदाय को बेचा गया।

मद	विवरण	संख्या	दर (रु.)	कुल (रु.)
मछली के बीज	गुप्पी, मौली, प्लाटी, स्वॉर्ड टेल, गौरेमी, गोल्ड फिश और कोई कार्प तिलापिया, अमूरकार्प	5000	15	75000
मछली चारा	सजावटी मछली चारा (केजी)	100	1000	100000
मीठे पानी की मछली	कैटला, रोहु और कॉमनकार्प (केजी)	40	200	8000
मछली के पोस्टर	मत्स्य संसाधन पर पोस्टर	300	100	30000
जलीय पौधे	जलीय पौधे	1000	15	15000
मछली घर	टैंक सेट– 0.45 X 0.3 मीटर	1500	13	19500
			कुल	**247500**

भा.कृ.अनु.प.– कृषि विज्ञान केंद्र उत्तर गोवा

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी आकलन, परिष्करण, प्रदर्शन और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए 1983 में संस्थान में भा.कृ.अनु.प –कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई थी। इस की प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं:

वर्ष 2021 के दौरान, 1478 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 63 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्पादन और प्रबंधन प्रौद्योगिकी, संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, वर्मीकम्पोस्टिंग, जैविक इनपुट उत्पादन, एकीकृत कीट प्रबंधन, एकीकृत रोग प्रबंधन, मधुमक्खी पालन, प्रमुख फल फसलों का मूल्य वर्धन, उद्यम शीलता विकास, डेयरी, पोल्ट्री और बकरी पालन का वैज्ञानिक प्रबंधन, कम/न्यूनतम लागत आहार का डिजाइन और विकास, महिला सशक्तिकरण आदि प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम थे।

पुरुष और महिला प्रशिक्षुओं की संख्या क्रमशः 522 और 956 थी। जनजातीय कार्यक्रमों में आमंत्रित प्रतिभागियों की संख्या 1068 थी, जिसमें से 408 और 660 पुरुष और महिला प्रतिभागी थे। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले स्नातक छात्रों की संख्या 75 थी।

कृ.वी.के. की गतिविधियों में 5 जिलों और 3 राज्यों के 35 गांव शामिल थे।

विभिन्न मंचों पर कृ.वी.के. की भागीदारी

कृषि विज्ञान केंद्र उत्तर गोवा 648 विभिन्न प्रकार की विस्तार गतिविधियों के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल है, जैसे प्रदर्शन, क्षेत्र दिवस, जोखिम का दौरा, प्रदर्शनियां, सम्मेलन, कृषि–परामर्श, वेबिनार, मृदा स्वास्थ्य शिविर आदि। इसके अलावा, केवीके विभिन्न सोशल मीडिया जैसे वाट्सअप ग्रुप, फेसबुक, यूट्यूब और ट्विटर का भी उपयोग करता है ताकि राज्य और आसपास के तटीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में हितधारकों को जानकारी दी जा सके। यह विश्व खाद्य दिवस, महिला किसान दिवस, विश्व मृदा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, किसान दिवस, स्वच्छ्ता पखवाड़ा आदि महत्वपूर्ण दिनों को मनाने में भी सक्रिय रूप से शामिल है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	विवरण
	प्रक्षेत्र परीक्षण	**परीक्षण की संख्या**
1	धान की नमक सहिष्णु किस्मों का आकलन	05
2	जीवाणुविलट रोग प्रतिरोधक टमाटर की किस्मो/संकरकिस्मो का आंकलन	05
3	उच्च उपज वाली अंगुलियों की बाजरा किस्मों का आकलन	05
4	विभिन्न मुर्गी पालन किस्मों का आकलन	05
5	तैयार निविदा/खाद कटहल का आकलन	05
6	स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री का उपयोग करते हुए शिशुओं और बच्चों के लिए कम लागत वाले पूरक आहार का विकास	05
	कुल	30
	सीमावर्ती प्रदर्शन	**प्रदर्शन की संख्या**
1	लोबिया किस्म का लोकप्रियकरण गोवा लोबिया–03	10
2	उच्च उपज देने वाली नमक सहिष्णु चावल किस्म को लोकप्रिय बनाना	8
3	तना और जड़ छेदक का प्रबंधन	10
4	उच्च उपज वाले यार्डलॉन्ग बीन किस्मका लोकप्रियकरण (अरका मंगला)	10
5	मिठी मकई क़िस्म को लोकप्रिय बनाना (गोल्डनकोबएफ–1)	10
6	उच्च उपज देने वाली किस्मों को लोकप्रिय बनाना (अरका मनिक)	10
7	लोबिया की विविधता को लोकप्रिय बनाना (गोवा लोबिया – 03)	10
8	उन्नत परिभ्रमण इकाई	10
9	पोषण बगीचा	10
	कुल	88

राजस्व उत्पादन

विवरण	मात्रा	अर्जित राजस्व (रु.)
रोपण सामग्री	5980	3,00,065
वरजिन नारियल तेल	88.1 लिटर	88,100
कृमि खाद	4098.5 कि.ग्राम	81,970
कृमि	3.0 कि.ग्राम	1,500
वनस्पति बीज	519.55 कि.ग्राम	3,40,025
कुक्कुट	अंडे: 8119 (केरीनिरभीक) और 7149 (ग्राम प्रिया)चूजे: 1486 (केरीनिरभीक) और 389 (ग्राम प्रिया) और पक्षी	2,43,354
	कुल	**10,55,014/-**

श्री. श्रीपाद नायक
(विश्व मृदा दिवस के समारोह मे उपस्थित)

(डॉ. प्रमोद सावंत सम्मानीय गोवा के मुख्य मंत्री संस्थान के अभिविन्यास कार्यक्रम मे उपस्थित)

राजस्तरीय तिलहन एवं दलहन समीक्षा कार्यक्रम

विश्व कदन्न दिवस

आई.पी.आर. सेल/आई.टी.एम.यू. गतिविधियां

पेटेंट आवेदनों को मंजूरी/प्रक्रिया की गई

पेटेंट आवेदन संख्या 3037/एम.यू.एम./2015 दिनांक 11 अगस्त 2015 के लिए 1 जनवरी 2021 को भाकृअनुप– के.त.कृ.अनु.सं., गोवा द्वारा आविष्कार किए गए शूकर वीर्य के संरक्षण के लिए विस्तारक (पेटेंट संख्या: 355114) को एक पेटेंट प्रदान किया गया।

संस्थान के आईपीआर प्रतिनिधि – मैसर्स कृष्णा और सौराष्ट्री एसोसिएट्स एल.एल.पी., मुंबई के माध्यम से भारतीय पेटेंट कार्यालय में जायफल टॉफी प्रसंस्करण विधि और परिणामी खाद्य उत्पाद तैयार करने के लिए प्रक्रिया (पीए 201621012414) नामक पेटेंट आवेदन में एफ.ई.आर. की प्रतिक्रिया दर्ज की गई।

संस्थान के आई.पी.आर. प्रतिनिधि – मैसर्स कृष्णा एंड सौराष्ट्री एसोसिएट्स एल.एल.पी., मुम्बई के माध्यम से भारतीय पेटेंट कार्यालय में 22 सितम्बर, 2020 को काजू एप्पल क्रंच का प्रसंस्करण विधि और परिणामी खाद्य उत्पाद तैयार करने के लिए प्रक्रिया (पीए 201621012413) नामक पेटेंट आवेदन में एफ.ई.आर. की प्रतिक्रिया दर्ज की गई।

30 सितंबर, 2021 को भाकृअनुप– के.त.कृ.अनु.सं., गोवा और गोवा विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से न्यूट एंड फ्रूट की मानवरहित कटाई के लिए उपकरण और विधि (पीए 202021042421) नामक पेटेंट आवेदन में भारतीय पेटेंट कार्यालय में पूर्ण विनिर्देश दाखिल किया गया।

संस्थान आई.पी.आर. के माध्यम से तने और जड़ छेदक संक्रमण का पता लगाने के लिए अस्थायी

पेटेंट आवेदन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया – मेसर्स कृष्णा एंड सौराष्ट्री एसोसिएट्स एल.एल.पी., मुम्बई की सिफारिश के अनुसार शुरू की गई।

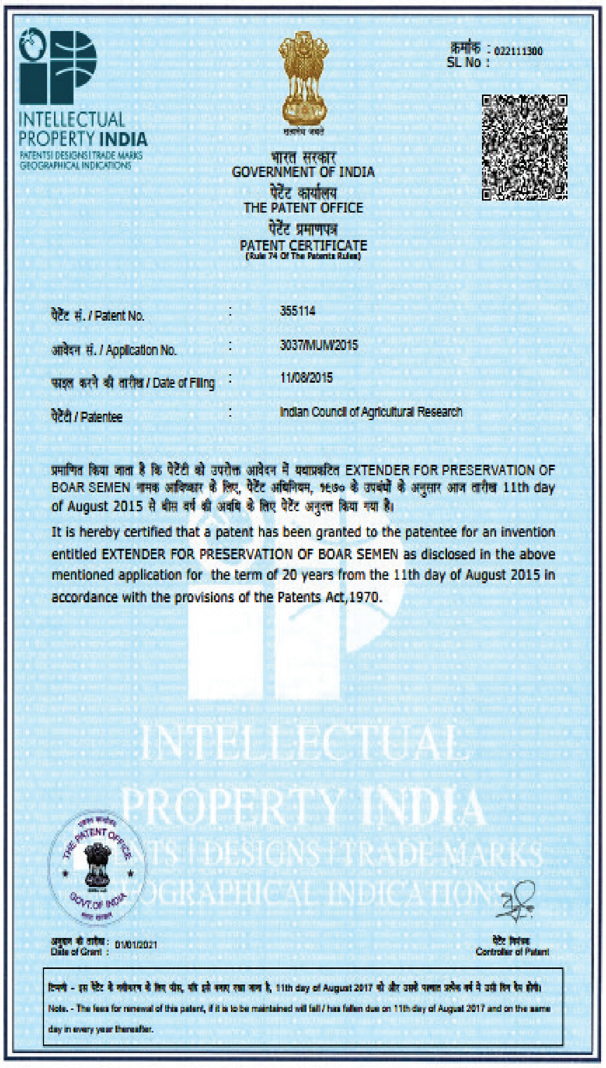

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS
GEOGRAPHICAL INDICATIONS

क्रमांक : 022111300
SL No :

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पेटेंट कार्यालय
THE PATENT OFFICE
पेटेंट प्रमाणपत्र
PATENT CERTIFICATE
(Rule 74 Of The Patents Rules)

पेटेंट सं. / Patent No.	:	355114
आवेदन सं. / Application No.	:	3037/MUM/2015
फाइल करने की तारीख / Date of Filing	:	11/08/2015
पेटेंटी / Patentee	:	Indian Council of Agricultural Research

प्रमाणित किया जाता है कि पेटेंटी को उपरोक्त आवेदन में यथाप्रकटित EXTENDER FOR PRESERVATION OF BOAR SEMEN नामक आविष्कार के लिए, पेटेंट अधिनियम, १९७० के उपबंधों के अनुसार आज तारीख 11th day of August 2015 से बीस वर्ष की अवधि के लिए पेटेंट अनुदत्त किया गया है।

It is hereby certified that a patent has been granted to the patentee for an invention entitled EXTENDER FOR PRESERVATION OF BOAR SEMEN as disclosed in the above mentioned application for the term of 20 years from the 11th day of August 2015 in accordance with the provisions of the Patents Act,1970.

अनुदान की तारीख : 01/01/2021
Date of Grant :

पेटेंट नियंत्रक
Controller of Patent

Note. - The fees for renewal of this patent, if it is to be maintained will fall / has fallen due on 11th day of August 2017 and on the same day in every year thereafter.

'शुकर वीर्य के संरक्षण के लिए विस्तार' को पेटेंट प्रदान किया गया

प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण / एम.ओ.ए. / एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर

19 फरवरी, 2021 को भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा, और गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड (जी.एस.बी.बी.) गोवा के बीच भाकृअनुप– के.त.कृ.अनु.सं., गोवा प्रौद्योगिकी जायफल पेरिकारप टॉफी के निर्माण प्रक्रिया के व्यावसायीकरण के लिए भाकृअनुप– के.त.कृ.अनु.सं., में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रुपये 3,54,000 (3,00,000 + 18% जीएसटी),, और यह गैर –विशिष्ट लाइसेंसिंग समझौता पांच वर्षों की अवधि के लिए मान्य है।

18 अगस्त, 2021 को तटीय क्षेत्र के लिए वीगेफास्ट प्रौद्योगिकी की एक संशोधित मॉडल इकाई को लोकप्रिय बनाने और विकसित करने के लिए भाकृअनुप– के.त.कृ.अनु.सं., गोवा और भाकृअनुप– केंन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सामग्री हस्तांतरण समझौता पर हस्ताक्षर

19 अप्रैल 2021 को सी.एस.आई.आर. – सी.आई.एम.एपी., लखनऊ में बीज सामग्री के हस्तांतरण और कुर्कुमा लोंगा (सी.आई.एम.–पीतांबर) की खेती को बढ़ावा देने के लिए सामग्री हस्तांतरण समझौता पर हस्ताक्षर किए गए ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की क्षेत्रीय समिति की 26वीं बैठक की सिफारिशों के अनुसार 24 दिसंबर, 2021 को वाराणसी के भाकृअनुप–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के साथ लवणता सहिष्णु बैंगन रूटस्टॉक, जर्मप्लाज्म बीज साझा करने के लिए सामग्री हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

विविधता रिलीज

6 जनवरी 2021 को राज्य वैरायटी रिलीज समिति द्वारा गोवा के लिए बैंगन किस्मों (गोवा बैंगन–5 और गोवा बैंगन–6) को जारी किया गया।

प्रौद्योगिकी प्रसार गतिविधियां

छः तालुकाओं में एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन (आई.पी.डी.एम.) प्रौद्योगिकियों पर कुल 12 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किए गए। गोवा बायो 1 और गोवा बायो 2 (200 किलो) स्पिनोसाद, चितोसन और पीले और नीले स्टिकी ट्रेप्स जैसे पौधों की सुरक्षा के लिए 200 किसानों को वितरित किए गए।

मिर्च में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन का प्रक्षेत प्रदर्शन

जल संचयन एवं गुरुत्वाकर्षण आधारित ड्रिप सिंचाई और पोषक तत्व प्रबंधन उपायों को 2.45 हेक्टेयर से अधिक 500 पौधों के साथ नारियल की खेती करने वाले 30 किसानों के समूह के लिए लागू किया गया। एक जल संचयन तालाब (क्षमता 400 धन. मी.) की स्थापना की गई, जहां मानसून के दौरान बह रहा पानी और वर्ष के पानी का उपयोग किया जाता है। मृदा परीक्षण–आधारित उर्वरक के माध्यम से पोषक तत्व प्रबंधन ने नारियल की पैदावार और आय में काफी वृद्धि हुई है।

गुरुत्वाकर्षण आधारित ड्रिप प्रणाली के साथ जल संचयन

कृत्रिम गर्भाधान के तरीकों का उपयोग करके 21 ब्यानों में से 178 (क्रॉस ब्रेड) शूकर पैदा हुए, 79 प्रतिशत की सफलता दर बेलगाँव के श्री रमेश वैडू शुकर पालन के स्व–रोजगार का विकल्प चुना थे लेकिन शुरुआत में कम गर्भधारण दर और उप–वैकल्पिक उत्पादकता जैसी समस्याओं के कारण काफी परेशान हुए थे। संस्थान द्वारा आयोजित प्रजनन प्रौद्योगिकियों और वैज्ञानिक तरीके से शूकर पालन पर प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त तकनीकी ज्ञान के साथ, उन्होंने आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर और कृषि गतिविधियों का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहन पाया। संस्थान ने वीर्य मूल्यांकन और प्रसंस्करण की सुविधाओं के साथ एक ऑन–फार्म प्रयोगशाला की स्थापना की जिसमें, एआई पर तकनीकी सलाह, एस्ट्रस का उपयोग करके नियंत्रित प्रजनन, सिंक्रोनाइज़ेशन आदि द्वारा प्रजनन मादा शूकर गर्भधारण में सहायता प्राप्त हुई।

इन हस्तक्षेपों के बाद, हर्ड उत्पादकता में सुधार हुआ और उनका शूकर पालन उद्यम लाभदायक हो गया, जिसमें वार्षिक आय में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई और रपये 80,000 की मासिक आय में बढ़ोत्तरी प्राप्त। प्रयोगशाला से खेत तक व्यवहार्य प्रौद्योगिकी को अपनाने और आगे बढ़ाने में सफलता के साथ, यह उद्यमी भी तकनीकी परामर्श, व्यापार और विपणन के विविधीकरण के संदर्भ में मूल्यवर्धित व्यापार सहायता प्राप्त करने के लिए संस्थान का कृषिजन्य व्यापार केन्द्र में एक इनक्यूबेटी के रूप में नामांकित हुआ।

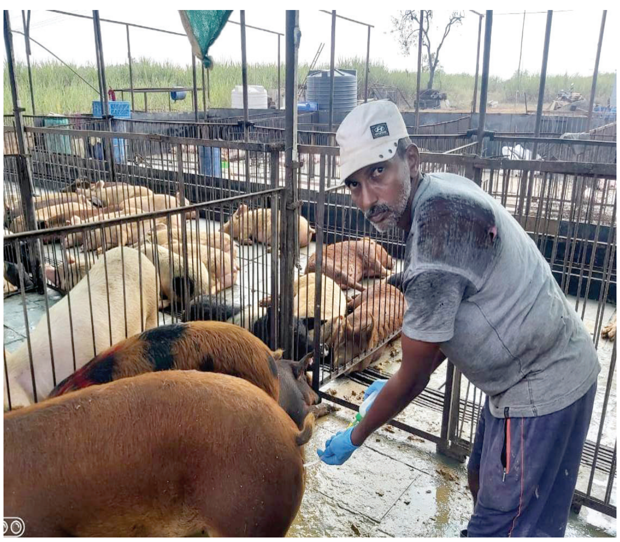

पशु प्रक्षेव शूकर में किसान द्वारा कृत्रिमगर्भधान

प्रौद्योगिकी मूल्यांकन

प्रक्षेत्र यंत्र का कार्य निष्पादन मूल्यांकन

मेसर्स हेगडे एग्रो इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, सागर द्वारा निर्मित मैसर्स ईजी लाइफ एंटरप्राइजेज, कर्नाटक के मोटोरोलाार्ट 125 और 4 मोटोकार्ट 350 के ओम्कर कृषि यंत्र के रस एक्स्ट्रक्टर– का म ूल्यांकन किया गया और प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट निम ताओं को दी गई। ये मशीनें तटीय क्षेत्र की बागवानी आधारित फसल प्रणाली में उपयोगी होंगी। सभी चार मशीनों ने अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें 'अच्छा' के रूप में प्रमाणित किया गया।

नाम: होरिवाकाओ मानवयुक्त सुपारी वृक्ष पर्वतारोही

कार्य: कच्चे, परिपक्व और शुष्क गुच्छों और फोर्ट्री प्रबंधन की कटाई के लिए सुपारी पेड़ों पर चढ़ना

क्षमता: 9 पेड़ / घंटा, बिना थकान कारक लागू किए

सामग्री: बॉडी – पाउडर लेपित एमएस (पड़ा और हैंडल) और 202 एसएस

रोप–गैल्वनाइज्ड कार्बन स्टील

3 प्रबलित नायलॉन स्ट्रिप्स के साथ पौधे को पकड़ने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ग्रिप

शक्ति स्रोत: कोई नहीं

आयाम: ऊँचाई – 110 सेमी, चौड़ाई – 40 सेमी, रबर ग्रिप – 17.8 सेमी

एसएस रोप लेंथ (6 मिमी व्यास)।) – 110 सेंटीमीटर

मशीन का वजन: 6.78 कि.ग्रा.

नारियल के नटस् कटाई का यंत्र

कार्य : कच्चे, परिपक्व और शुष्क नारियल की कटाई के लिए नारियल के पेड़ों पर चढ़ना और

वृक्ष छतरी प्रबंधन

क्षमता : 10 पेड़ / घंटा बिना थकान के कारक

संस्थान में चार मशीनों का मूल्यांकन किया गया था।

मानचलित नारियल वृक्ष आरोही यंत्र

भूसा काटने का मशीन

सुपारी पॉलिस यंत्र

कृषि अपशिष्ट कटाई यंत्र

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा, के वैज्ञानिकों को पुरस्कार और मान्यता

डॉ आर. रमेश

- भाकृअनुप– कें.त.कृ.अनु.सं. के स्थापना दिवस समारोह के दौरान जीवाणु विलग प्रतिरोधी बैंगन किस्मों के विकास और प्रदर्शन के लिए प्रशंसा प्राप्त किए।
- सीएसआईआर–एनआईओ में जेआरएफ की एसआरएफ का मूल्यांकन करने के लिए समिति के अध्यक्ष चुने गए।

डॉ जी. आर. महाजन

- फुलब्राइट–नेहरू अकादमिक और पेशेवर उत्कृष्टता (एफ.एन.ए.पी.ई.) फैलोशिप 2021-22
- देसाई एस, दास बी, श्रीकांत जीबी, महाजन जी आर (2021) द्वारा भारत के पश्चिमी तट पर बहने वाले नदी घाटियों के प्रवाह में दीर्घकालिक रुझानों के आकलन के लिए पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (तटीय कृषि (आईएससीए) और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 16-19 मार्च, 2021)
- सी.एस.आई.आर.–एन.आई.ओ. में एस.आर.एफ. एंव जे.आर.एफ. का मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष बने।

डॉ गोकुलदास पी. पी.

- 29-30 अक्टूबर 2021 के दौरान वर्चुअल रूप से आयोजित संसाधन संरक्षण के लिए स्मार्ट कृषि और पारिस्थितिक स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।
- 27-29 दिसंबर 2021 के दौरान त्रिशूर के आई.एस.एस.आर. और सी.एस.ए. द्वारा आयोजित शुद्ध ज्ञान अभिनव प्रथाओं और अनुसंधान विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लघु रुमीनेंट और स्वाईन प्रजनन सत्र में प्रस्तुति हेतु मुख्य वक्ता चुने गए।
- यूजी और पीजी छात्रों के लिए भारत में उच्च कृषि शिक्षा को सुदृढ़ीकरण और विकास कार्यक्रम के तहत गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा 15 नवंबर 2021 को आयोजित वेबिनार के लिए विशेषज्ञ अध्यक्ष एवं रिसोर्स परसन चुने गए।
- अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी की समीक्षा की गई जर्नल ऑफ एनिमल रिप्रोडक्शन–थेरियोजेनोलॉजी सोसाइटी फॉर थेरियोजेनोलॉजीयूएसए के व्दारा (एलसेवियरसमीक्षक मान्यता प्रमाण पत्र) प्राप्त किया।

डॉ श्रीकांत जी. बी.

- वर्ष 2021 के लिए केरल विश्वविद्यालय मत्स्य पालन और महासागर अध्ययन कोच्चि केरल के पनांगद पूर्व छात्र संघ से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।

- वर्ष 2021 के लिए गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा मत्स्य पालन अनुसंधान और जर्मप्लाज्म संरक्षण के लिए जैव विविधता संरक्षण पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ मनीषा एस. आर.

- पी.एम.एफ.एम.ई. , भारत सरकार द्वारा 'फल और सब्जी प्रसंस्करण' के मास्टर ट्रेनर के रूप में अर्हता प्राप्त किया।

डॉ सुजीत देसाई

- 14-16 दिसंबर 2021 को आयोजित एस.सी. एस.आई. के 30 वें राष्ट्रीय वेब सम्मेलन के दौरान भारतीय मृदा संरक्षण सोसायटी (एस. सी.एस.आई.), नई दिल्ली से हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग, मृदा संरक्षण और वर्षा जल प्रबंधन क्षेत्र में सुमेर मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।
- 16-19 मार्च 2021 के दौरान आयोजित आई. एस.सी. वेबिनार तटीय कृषि पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: सतत खाद्य और आय सुरक्षा के लिए तटीय क्षेत्र को बदलना में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ उथप्पा ए. आर.

- डी.एस.टी., नई दिल्ली द्वारा सम्मानित पीएचडी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कहानियों के लिए ए.डब्लू. एस.ए.आर. (अवसर) पुरस्कार 2020 प्राप्त किया।

2021 के दौरान वैज्ञानिक द्वारा प्रकाशन

- रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान संस्थान के वैज्ञानिक ने अनुसंधान और विस्तार सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रकाशित की जो वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं विस्तार श्रमिकों सरकारी एजेंसियों और किसानों की क्रॉस कटिंग रेंज के लिए रुचि की होगी। ये नीचे सूचिबद्ध हैं:

क्र सं.	प्रकाशन के प्रकार	संख्या
1	शोध पत्र (अंतरराष्ट्रीय जर्नल)	32
2	शोध पत्र (राष्ट्रीयजर्नल)	28
3	सम्मेलन सार	21
4	तकनीकी लेख	7
5	पुस्तक अध्याय	9
6	तकनीकी बुलेटिन	3
7	एक्सटेंशन फ़ोल्डर	6
8	विस्तार पत्रक	1
9	न्यूज़लेटर्स	3

अन्य बैठकों का आयोजन / भाग लिया

क्र सं.	मीटिंग के प्रकार और विवरण	स्थान/ मोड	तिकी	प्रतिभागियों की संख्या
1	संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आई.टी.एम.सी.) की बैठक	आभासी	18-02-2021	07
2	संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आई.टी.एम.सी.)की बैठक	आभासी	10-03-2021	09
3	संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आई.टी.एम.सी.)की बैठक	आभासी	17-04-2021	08
4	फ्लाई–कोकोबोट के लिए पूर्ण विनिर्देश तैयार करने के लिए संस्थान में आई.सी.ए.आर. –सी.सी.ए.आर.आई. और गोवा विश्वविद्यालय की टीम के बीच चर्चा	संस्थान	12-06-2021	07

5	आई.सी.ए.आर. –सी.सी.ए.आर.आई. शिमला और आई. सी.ए.आर. –सी.सी.ए.आर.आई. गोवा के बीच समझौता ज्ञापन तैयार करने के तौर–तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए आई.सी.ए.आर. –सी.सी.ए.आर.आई. शिमला की आई.टी.एम.सी. बैठक	आभासी	08-07-2021	17
6	संस्थान में संयुक्त पेटेंट आवेदन (पीए 202021042421) में फॉर्म 2 तैयार करने के लिए गोवा विश्वविद्यालय के साथ बैठक	संस्थान	25-09-2021	04
7	संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आई.टी.एम.सी.) की बैठक	संस्थान	22-10-2021	09
8	गोवा विश्वविद्यालय में समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए बिंदुओं पर चर्चा करने/ स्पष्ट करने के लिए गोवा विश्वविद्यालय के साथ बैठक	संस्थान	30-11-2021	09
9	संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आई.टी.एम.सी.)की बैठक	संस्थान	03-12-2021	10
10	संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आई.टी.एम.सी.)की बैठक	संस्थान	09-12-2021	13

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

हल्दी और अदरक के उत्पादन और प्रसंस्करण में प्रगति पर किसानों–वैज्ञानिकों की परिचर्चा

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (उत्तर गोवा) और भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा द्वारा 16 फरवरी, 2021 को संयुक्त रूप से हल्दी और अदरक के उत्पादन और प्रसंस्करण के उन्नत उत्पादन प्रद्योगिकी पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें 49 किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में किसानों को गोवा में हल्दी और अदरक की जैविक और अकार्बनिक खेती, पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रदर्शन प्रदान किया गया।

समेकित बागवानी विकास मिशन द्वारा प्रायोजन के अंतर्गत भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा 30-31 मार्च 2021 के दौरान अदरक और काली मिर्च के लिए उन्नत प्राकृतिक उत्पादन प्रौद्योगिकी पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। 35 किसानों को विशेषज्ञों द्वारा संभाषण और हल्दी अदरक और काली मिर्च के लिए नर्सरी एवं उत्पादन प्रथाओं में व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

हल्दी अदरक और काली मिर्च के लिए उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकीयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जायफल पेरीकार्प के टॉफी बनाने पर प्रशिक्षण

गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड के हितकारको को जायफल पेरिकार्प टॉफी प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण 9-14 अगस्त 2021 के दौरान प्रदान किया गया।

कैनोपी प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा ने 7 अगस्त, 2021 को आम पर विशेष जोर देने के साथ कैनोपी के संरचना प्रबंधन पर एक आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। गोवा के कृषि विभाग के लगभग 60 किसानों / अधिकारियों ने वर्चुअल रूप से इसमें भाग लिया और इस आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।

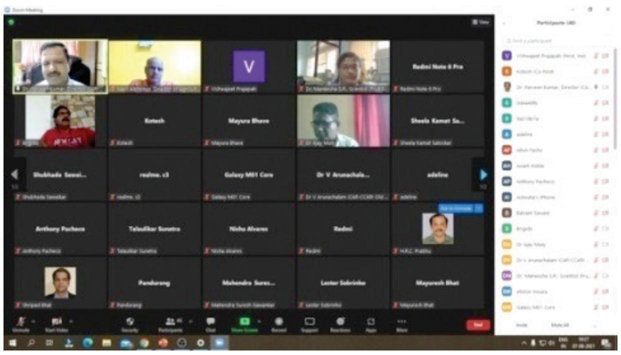

सजावटी मछली संवर्धन पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम

गोवा सरकार के मत्स्य पालन निदेशालय के सहयोग से 12 अक्टूबर 2021 को सजावटी मत्स्य पालन और अक्वेरियम के टैंकों के निर्माण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

तटीय लवणीय मृदाओं की उत्पादकता में सुधार पर किसानों-वैज्ञानिकों की परिचर्चा

भाकृअनुप- केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा द्वारा 14 अक्टूबर 2021 को तिसवाड़ी गोवा में एक विशिष्ट लवणता प्रभावित खेतों (स्थानीय रूप से खजान भूमि कहा जाता है) में तटीय लवणीय मिट्टी की उत्पादकता में सुधार पर एक फील्ड डे और किसान-वैज्ञानिकों की परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लवणता प्रभावित भूमि को वैज्ञानिक तरीके से धान की खेती और अन्य तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से उत्पादक और लाभदायक बनाने के विधियों को दर्शाने के लिए था। इस कार्यक्रम में 30 खजान किसानों ने भाग लिया गया।

रोपण और मसाला फसलों की प्रसंस्करण पर नए और मौजूदा लाभार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

रोपण और मसाला फसलों पर नए और मौजूदा लाभार्थियों के लिए प्रधानमंत्री द्वारा वित्त पोषित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के दो प्रशिक्षण कार्यक्रम भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 16-23 नवंबर 2021 के बीच आयोजित किया गया थे। 13 नए लाभार्थियों को नारियल के प्रसंस्करण के विभिन्न पहेलुओं पर प्रशिक्षित किया गया।

गांवडोंगरिम नामक गांव में नारियल आधारित काजू फसल प्रणाली का प्रक्षेत्र प्रदर्शन

गांवडोंगरिम के जिल्टावाड़ी वाडो में काजू किस्मों और नारियल आधारित फसल प्रणालीयों का प्रक्षेत्र प्रदर्शन दूसरे वर्ष के अवधि पर पहुंचा हैं। जनजातीय कार्यक्रम के तहत स्थापित काजू बागान के प्रबंधन के लिए जिल्टावाड़ी किसानों के स्वयं सहायता समूह को रोपण सामग्री (काली मिर्च की किस्म पणियूर–1) और कृषि सामग्री (उर्वरकों और कृषि–रसायनों) प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को उनकी स्थानीय कंद फसलों के अलावा मिर्च, स्वीट कॉर्न, संकर मक्का जैसी संभावित अंतर फसल के बारे में ऑन–फार्म प्रदर्शन दिए गए।

दक्षिणी गोवा में कानकोना क्षेत्र के गांवडोंगरिम गांव के सतोर्लिम वाडा में काजू किस्मों और नारियल आधारित फसल प्रणाली पर एक नई एफ.एल.डी. भी गांवडोंगरिम के सतोर्लिम किसानों के स्वयं सहायक समूह के लाभ के लिए शुरू की गई। किसानों को काजू के किस्मों और सब्जियों के अंतर फसल के रूप में एफ.एल.डी. हेतु जमीन चुनकर, साफ करके भूतल आदि को सही कारने में सहायता प्रदान की गई।

गांवडोंगरिम नामक गांव में नारियल आधारित काजू फसल प्रणाली का प्रक्षेत्र प्रदर्शन का अवलोकन

उन्नत काजू किस्मों का प्रक्षेत्र प्रदर्शन. सजावटी मछली संवर्धन पर क्षमता निर्माण एवं आदान वितरण कार्यक्रम

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा, गोवा ने 16 अगस्त 2021 को केरल मत्स्य और महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (के.यू.एफ.ओ.एस.), कोचिन में सजावटी मछली संवर्धन पर एक क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। दस किसानों के एक समूह ने कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न सजावटी मछली संवर्धन प्रणालियों और उनके प्रबंधन के ज्ञान के साथ लाभान्वित हुए। किसानों को एक दिवस का प्रशिक्षण दिया गया और के.यू.एफ.ओ.एस. की सजावटी मछली हैचरी का भी उद्घाटन किया गया।

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा में 16 से 31 दिसंबर 2021 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

दिनांक	विषय के अनुसार गतिविधियाँ
16-12-2021	प्रमुख स्थानों पर स्वच्छता पखवाड़ा बैनर का प्रदर्शन
	स्वच्छता शपथग्रहण
	पखवाडा के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों का स्टॉक लेना और ब्रीफिंग करना
	वृक्षारोपण
17-12-2021	बेसिक कार्यालय रिकॉर्ड के रखरखाव:/ ई–ऑफिस कार्यान्वयन के डिजिटलीकरण पर स्टॉक लेना।
	कार्यालयों गलियारों/परिसरों की सफाई सहित स्वच्छता अभियान।
	पुराने अभिलेखों में से उगाहन की समीक्षा, पुराने और बेकार फर्नीचर और जंक सामग्री का निष्कासन।
	सफेदी / पेंटिंग।
18-12-2021	स्वच्छिकरण और एसडब्लूएम
	मेरा गांव–मेरा गौरव कार्यक्रम में शामिल/या आई.सी.ए.आर. संस्थानों/के.वि.के द्वारा अन्य स्कीमों में गांवों में स्वच्छता और स्वच्छता अभियान। एस.ए.पी. के कार्यान्वयन और मौके पर समाधान प्रदान करने के साथ, स्वच्छता गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना।
19-12-2021	स्वच्छता और एस.डब्लू.एम.
	आवासीय कॉलोनियों बाजारों और आसपास के परिसरों के भीतर स्वच्छता और स्वच्छता अभियान। जैव–अवक्रमण योग्य और गैर–बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट निपटान की स्थिति का स्टॉक लेना और यथा–स्थिति समाधान प्रदान करना।
20-12-2021	स्थिति का अवलोकन, व अपशिष्ट प्रबंधन और अन्य कार्यकलापों सहित जैविक अपशिष्टों का उपयोग/ अपशिष्ट से धन का सृजन पॉलीथिन मुक्त स्थिति, रसोई व घरेलू अपशिष्ट पदार्थों की कम्पोस्टिंग। आवासीय कॉलोनियों और कम से कम एक आस–पास के गांव के रसोई उद्यानों में स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकियों और जैविक खेती प्रथाओं को बढ़ावा देना, यथास्थिति प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करना।
21-12-2021	नाली और पानी की लाइनों की सफाई पर अभियान। अपशिष्ट के पुनर्चक्रण आवासीय कालोनियों/ आस–पास के 1-2 गांवों में कृषि/बागवानी अनुप्रयोग/रसोई उद्यानों के लिए जल संचयन के बारे में जागरूकता पैदा करवाना।
22-12-2021	कचरे को धन में परिवर्तित करने के लिए कृषि प्रौद्योगिकियों पर कार्यशालाओं प्रदर्शनियों प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों का आयोजन सभी प्रकार के अपशिष्टों के सुरक्षित निपटान।
	डी.ए.आर.ई/आई.सी.ए.आर प्रतिष्ठानों में स्वच्छता पर परिचर्चा / सेमिनार /जागरूकता शिविर/ रैलियां /नुक्कड़ नाटक और विशेषज्ञ वार्ताएं
23-12-2021	23 दिसंबर को किसानों को आमंत्रित करने किसानों और नगरनिगम के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता पहलों पर अनुभव साझा करने का जश्न। स्वच्छता पर अनुकरणीय पहलों के लिए किसानों/नागरिक समाज के अधिकारियों को सम्मानित करना।
24-12-2021	स्थानीय स्तर पर स्वच्छता जागरूकता संस्थानों द्वारा किसी योजना के तहत नहीं अपनाए गए गांवों को ध्यान में रखते हुए किसानों खेतिहर महिलाओं और ग्रामीण युवाओं की सहायता से स्वच्छता अभियानों का आयोजन करना।

25-12-2021	सार्वजनिक स्थानों, सामुदायिक बाजार स्थानों और/या आस–पास के पर्यटकों चयनित स्थानों की सफाई।
26-12-2021	स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना: प्रतियोगिता का आयोजन करना और स्वच्छता पर सर्वश्रेष्ठ कार्यालयों / आवासीय क्षेत्रों / परिसरों को पुरस्कृत करना। स्कूल के बच्चों और गांव के युवाओं के लिए प्रश्नोत्तरी निबंध और ड्रोइंग प्रतियोगिताओं को आयोजन।
27-12-2021	अपशिष्ट प्रबंधन और जैविक अपशिष्ट के उपयोग/अपशिष्ट से धन का सृजन पॉलीथिन मुक्त स्थिति सहित अन्य गतिविधियों के बारे में जागरूकता।
28-12-2021	सीवरेज और पानी की लाइनों की सफाई, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण पर जागरूकता, आवासीय कॉलोनियों में कृषि/बागवानी अनुप्रयोग/गृहवाटिकाओं के लिए जल संचयन पर अभियान। स्थानीय ग्रामीण समुदायों की भागीदारी के साथ परिसर / आस–पास के गांवों के परिसरों की सफाई की गई।
29-12-2021	सामुदायिक अपशिष्ट निपटान स्थलों/कम्पोस्ट गड्ढों का दौरा सिविल/कृषक समुदाय को शामिल करके जैव–अवक्रमण योग्य अपशिष्ट के शोधन और सुरक्षित निष्कालन के बारे में जागरूकता पैदा करना।
30-12-2021	स्वच्छता गतिविधियों में वी.आई.पी./वी.वी.आई.पी. लोगों की भागीदारी प्रिंट और इलेक् ट्रॉनिक मीडिया की भागीदारी सुनिश्चित प्रचार–प्रसार किया गया।
31-12-2021	किसानों तथा विशिष्ट व्यक्तियों, प्रेस और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहित सभी हितधारकों को शामिल करके स्वच्छ भारत पखवाड़ा की गतिविधियों को उजागर करने के लिए संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा में स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों की झलक।

संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ की गतिविधियां

संस्थान की राजभाषा प्रकोष्ठ संस्थान के कार्यान्वयन में राजभाषा के उपयोग के प्रोत्साहन तथा भारत सरकार की राजभाषानीतियों का अनुकरण व प्रसार में अहं भूमिका निभाती है। हिन्दी के प्रयोग तथा प्रधानता के आधार पर राजभाषा विभाग भारत सरकार द्वारा विभक्त किए गए तीन भौगोलिक क्षेत्रों में, हमारी संस्थान 'ग' क्षेत्र में स्थित है। राजभाषा अधिनियम व राजभाषा नियम के अनुसार संस्थान में राजभाषा –संबंधी कार्यों की समीक्षा तथा राजभाषा के प्रयोग को गति प्रदान करने हेतु संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गयी है जिसमे विभिन्न अनुभागों के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों तथा प्रशासनिक कर्मचारियों को शामिल किया गया है। संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति निम्न प्रकार से है :

1.	डॉ प्रवीण कुमार, निदेशक	– अध्यक्ष
2.	डॉ मतला जूलियट गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक	– सदस्य
3.	डॉ आर मरुथदुराई एम, वैज्ञानिक व पुस्तकालय समन्वयक	– सदस्य
4.	श्रीमति मोंटीया रीता डीसिल्वा, प्रशासनिक अधिकारी	– सदस्य
5.	श्री शशि विश्वकर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	– सदस्य
6.	श्री विश्वास शर्मा, सहायक	– सदस्य
7.	श्रीमति श्रेया बर्वे, आशुलिपिक	– सदस्य
8.	श्री हिरेन व्यास, अवर श्रेणी लिपिक	– सदस्य
9.	श्रीमति तारिका उसपकर, निजीसचिव	– सदस्य
10.	श्री राहुल कुलकर्णी, सहायक मुख्य तकनीकी आधिकारी	सचिव एवं राजभाषा अधिकारी

वर्ष 2021 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक सम्पन्न हुई है। इनमें राजभाषा संबंधी कार्यकलापों की समीक्षा की गई तथा राजभाषा कार्यान्वयन में आनेवाली बाधाएँ एवं उनके निदान के उपायों पर चर्चा एवं सुझाव लिये गए। राजभाषा कार्यान्वयन समिति भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समुचित योजना को सुनिश्चित करती है तथा समय–समय पर किए गए प्रयासों की समीक्षा एवं मार्गदर्शन भी करती है।

हिंदी पखवाड़े 2021

14 सितंबर 2021 को भाकृअनुप केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान एला ओल्ड गोवा में हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। संस्थान के माननीय निदेशक महोदय डॉ प्रवीण कुमार ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रजव्लन से किया तथा सभा को संभोधित करते हुए उपस्थित कर्मचारियों को कार्यालय का अधिकतम काम–काज हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया। प्रधान वैज्ञानिक, डॉ एस.के. सिंह ने हिंदी भाषा के विषय में अपने मौलिक विचार सभा में रखे। इस संस्थान के पूर्व निदेशक एंव एमिरेटस वैज्ञानिक डॉ नरेन्द्र प्रताप सिंह ने हिंदी भाषा के सहजता एंव सरलता पर रोशनी डाली।

राजभाषा अधिकारी श्री राहुल कुलकर्णी ने सभा में उपस्थित सभी को हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रुप रेखा के बारे में सभी कर्मियों को अवगत कराया। पखवाड़े में आयोजित किये गए विभिन्न कार्यक्रम निम्नलिखित है:

क्र सं.	प्रतियोगिता का नाम	दिनांक
1	आशुभाषण प्रतियोगिता–सभी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए।	14.09.2021
2	हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता– सभी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए।	15.09.2021
3	सुलेख प्रतियोगिता– सभी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए।	16.09.2021
4	कम्प्यूटर पर यूनिकोड में टाइपिंग–सभी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए।	17.09.2021
5	हिन्दी निबंध प्रतियोगिता– सभी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए।	18.09.2021
6	सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी–सभी कर्मचारियों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए।	22.09.2021
7	संस्थान के कार्मिकों के बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं	27.09.2021
8	हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता	28.09.2021

हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह

पखवाड़े के समापन समारोह में गोवा से राज्य सभा के माननीय सांसद, श्री विनय दिनु तेंडुलकर ने मुख्य अतिथि के रूप में एंव विद्याप्रबोधिनी वाणिज्य महाविद्यालय, पणजी के प्राचार्य डॉ भूषण भावे एवं श्री कपिल कुमार, वरिष्ठ परिवहन अधिकारी, (ओ.एन.जी.सी.), विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहे। इनके अलावा इस संस्थान के पूर्वनिदेशक एंव एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ नरेंद्रप्रताप सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पखवाड़े के समापन समारोह के दौरान श्री मनोज कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी, हिंदी राजभाषा विभाग भाकृअनुप नई दिल्ली, ने आभासी पध्दति से कार्यशाला ली, जिसमे कार्यालय पत्र, टिप्पण, आदेशपत्र, इत्यादि कार्यालय कामकाज में हिंदी का उचित उपयोग करने के बारे में अवगत कराया। मुख्य अतिथि श्री विनय दिनु तेंडुलकर ने हिन्दी भाषा की सरलता के बारे में अवगत कराया। डॉ भूषण भावे ने हिन्दी भाषा एंव गोवा में हिंदी के प्रचलन पर प्रकाश डाला। पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को म न्यवरों के करकमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया। श्रीमति

श्रेया बर्वे आशुलिपिक ने आभार प्रर्दशन किया और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कोरोना महामारी से बचाव के लिए सभी निर्देशों का पालन करते हुए हिन्दी पखवाड़ा अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

भाकृअनुप – केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा को राजभाषा पुरस्कार

भाकृअनुप– केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा को क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय पश्चिम) क्षेत्रके अंतर्गत ग क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में (50 से अधिक कर्मचारीवाले केन्द्रीय कार्यालयों में) वर्ष 2017–18 के दौरान राजभाषानीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के ओर से प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया तथा वर्ष 2018-19 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के ओर से मडगाव गोवा में पश्चिम और मध्य क्षेत्र संयुक्त प्रादेशिक राजभाषा सम्मेलन का आयोजन दिनांक 22/10/2021 को किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय गृह राजमंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा और विशेष अतिथि के रूप में केंद्रीय पर्यटन बंदरगाहे नौका वहन और जलमार्ग राजमंत्री श्री श्रीपाद येसो नाईक उपस्थित थे। माननीय अतिथियों के कर–कमलों द्वारा संस्थान के निदेशक डॉ प्रवीण कुमार, राजभाषा अधिकारी श्री राहुल कुलकर्णी एवं आशुलिपिक श्रीमति श्रेया बर्वे को यह पुरस्कार राजभाषा विभाग द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर केंद्र सरकार की राजभाषा सचिव श्रीमति अंशुली आर्या और राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ मीनाक्षी जॉली उपस्थित थी।

भाकृअनुप – केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में दिनांक 15.12.2021 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम द्वारा किया गया था। इस कार्यशाला का विषय वैज्ञानिक संस्थानो में हिन्दी को बढ़ावा कैसे दिया जाए और इस विषय के मार्गदर्शक वक्ता श्री राजीव रंजन हरियाणा पावरयूटिलिटीस हरियाणा सरकार के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी हैं।

इस संस्थान के राजभाषा अधिकारी श्री राहुल कुलकर्णी ने मुख्य वक्ता का परिचय उपस्थित मान्यवरों को कराया। माननीय निदेशक महोदय डॉ प्रवीण कुमार ने इस कार्यशाला के विषय के महत्व के बारे मे सभी गणमान्यों को अवगत कराया। श्री राजीव रंजन ने वैज्ञानिक संस्थानो में हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु महत्वपूर्ण मुद्दों से उपस्थित गणमान्यों कों अवगत कराया तथा हिन्दी एवं क्षेत्रीय भाषाओं की सहजता एवं सरलता पर रोशनी डाली तथा मातृ भाषा एवं समझाया कि क्षेत्रीय भाषा में सिखाये गए विषय हमेशा याद रह ते है, यदि कोई वैज्ञानिक उपलब्धि क्षेत्रीय या हिन्दी में सामनेवाले को समझायी जाती है तो व बात सामनेवालों को तुरंत समझ आती है।

श्रीमति सीमा चोपड़ा – निदेशक महोदया राजभाषा विभाग नई दिल्ली से इस कार्यशाला में ऑनलाइन माध्यम से जुड़ी उन्होंने भी अपने मौलिक विचार प्रकट किए। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न क्षेत्र के 22 संस्थानो के 66 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया था। कार्यशाला के अंत में संस्थान के माननीय निदेशक महोदय डॉ. प्रवीण कुमार और उप राजभाषा अधिकारी श्री शशि

विश्वकर्मा तकनीकी अधिकारी, मृदा विज्ञान, कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तर गोवा ने सभी को आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।

भाकृअनुप – केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन:

भाकृअनुप – केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान में दिनांक 24.02.2022 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था, इस कार्यशाला का विषय डिजिटल प्लैटफार्म पर राजभाषा हिंदी और इस विषय के मार्गदर्शक वक्ता डॉ राकेश शर्मा वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा थे।

संस्थान के उप राजभाषा अधिकारी श्री शशि विश्वकर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय उपस्थित मान्यवरों को कराया। माननीय निदेशक महोदय डॉ प्रवीण कुमार ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य वक्ता डॉ राकेश शर्मा का स्वागत किया और विषय के महत्व के बारे मे अपने विचार प्रस्तुत कर सभी गणमान्यों को अवगत कराया। डॉ राकेश शर्मा ने 'डिजिटल प्लैटफार्म पर राजभाषा हिंदी विषय के बारे में सभागृह में उपस्थित सभी स्तर

के कर्मचारियों को परीचित कराया और हिंदी को आसान तरीके से कैसे प्रस्तुत किया जाए उस पर विस्तार रुप से सभी को अवगत कराया। उन्होने हिंदी की सबसे आसान टंकणविधि के बारे मे जानकारी दी ताकि हिंदी के कार्यों मे कोई बाधा न आए।

उक्त कार्यशाला में संस्थान के सभी स्तर के कुल 45 वैज्ञानिको ,अधिकारियों ,कर्मचारियों ने भाग लिया था। कार्यशाला के अंत में संस्थान के माननीय निदेशक महोदय डॉ प्रवीण कुमार और राजभाषा अधिकारी श्री राहुल कुलकर्णी ने सभी को आभार एंव धन्यवाद प्रकट किया।

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा में आयोजित कार्यक्रम

वेबिनार कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादकता विषय पर भारत का अमृत महोत्सव के तहत वेबिनार

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने 5 जून 2021 को वर्चुअल मोड में पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता पर एक वेबिनार आयोजित किया। वेबिनार का विषय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए छोटे पैमाने पर डेयरी प्रसंस्करण था। विशेष वक्ता, डॉ अर्चना चंद्रन, (सहायक आचार्य) डेयरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी कॉलेज, के. वी.एस.यू, पूकोडे, केरल थी। कार्यक्रम में ओडिशा केरल, पश्चिम बंगाल और गोवा के 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया, और जिसमें किसान महिला, , वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ, तकनीकी कर्मचारी, इत्यादि शामिल थे।

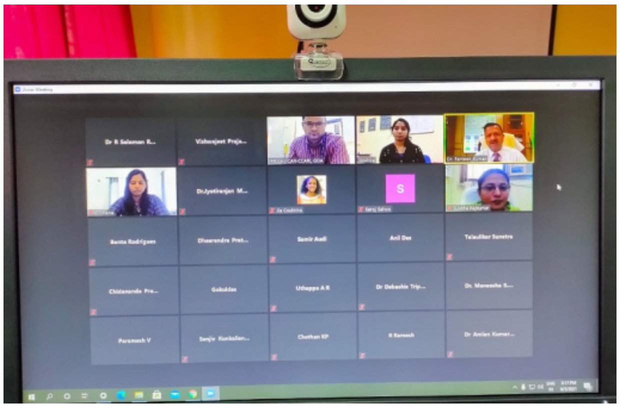

तटीय क्षेत्रों में सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिए VEGFSTTM² प्रौद्योगिकी पर वेबिनार

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने 15 जून 21 को तटीय क्षेत्रों में सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिए वीईजीएफएएसटीटीएम तकनीकी पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन, मुख्य अतिथि श्री कुलदीप सिंह गंगवा आई.ए.एस. सचिव (कृषि) गोवा सरकार द्वारा किया गया। उन्होंने सब्जी उत्पादन की कमी के संबंध में गोवा की तात्कालिक आवश्यकता का पता लगाने के लिए आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई., गोवा के प्रयासों की सराहना की और राज्य में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए संस्थान और गोवा सरकार के कृषि निदेशालय के संयुक्त कार्रवाई पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में ज़ूम प्लेटफॉर्म (अधिकतम क्षमता) पर 100 हितधारकों (कृषि विभाग गोवा के अधिकारी, गोवा और अन्य तटीय जिलों के सब्जी उत्पादकों, निवासी कल्याण संघ के अधिकारियों, आईसीएआर संस्थान के वैज्ञानिकों, सी.सी.ए.आर.आई. और कृ.वी.के. गोवा, आदि के वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों) और देश के विभिन्न राज्यों से फेसबुक लाइव पर लगभग 50 प्रतिभागियों द्वारा ऑनलाइन भाग लिया गया।

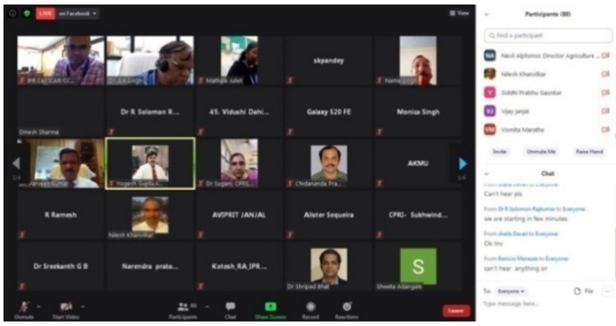

उर्वरकों और वर्मी–कम्पोस्टिंग के संतुलित उपयोग पर वेबिनार

आईसीएआर – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा और आईसीएआर – कृषि विज्ञान केंद्र उत्तरी गोवा ने 18 जून 2021 को उर्वरकों और वर्मी–कम्पोस्टिंग के संतुलित उपयोग पर किसान जागरूकता अभियान के रूप में एक वेबिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री और भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री श्री श्रीपद नाइक ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में किसानों, वैज्ञानिकों, कृ.वी.के. के कर्मचारियों और अन्य हितधारकों सहित लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

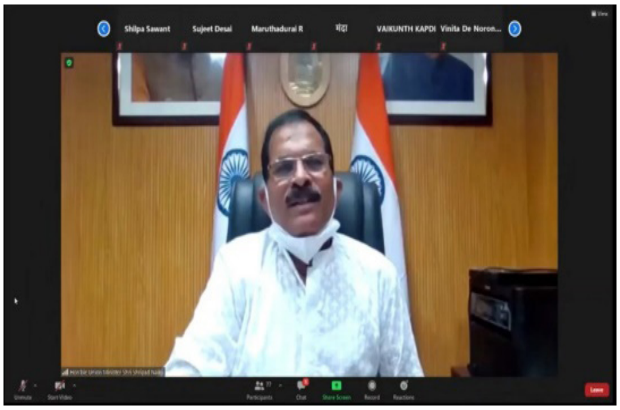

कृषि पारिस्थितिकी पर वेबिनार श्रृंखला

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने भारत का अमृत महोत्सव के तहत 18 अगस्त 2021 को कृषि पारिस्थितिकी पर्यटक (एईटी) पर एक वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया। वेबिनार श्रृंखला में गोवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष (कृषि व खाद्य प्रसंस्करण समिति) श्री महेश पाटिल ने गोवा में कृषि–पारिस्थितिकी मॉडल के साथ खेतों के लिए सतत विकास योजना: अनुभव और भविष्य की रणनीतियां विषय पर प्रभाषण दिए। उन्होंने तटीय क्षेत्र में खान प्रभावित क्षेत्रों के लिए विविध गतिविधियों के साथ ए.ई.टी. मॉडल के विकास पर जोर दिया था। वेबिनार श्रृंखला में वैज्ञानिकों और हितधारकों सहित 30 लोगों ने भाग लिया।

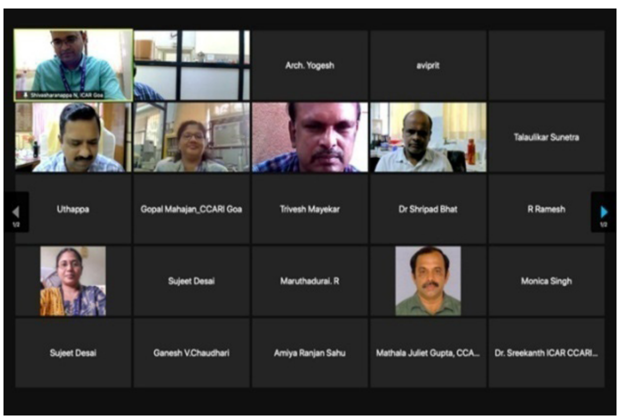

गोवा को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन

भारत सरकार के केंद्रीय मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी के मंत्री, माननीय श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने आई.सी.ए.आर. क्षेत्रीय समिति तखख की 26वीं बैठक के दौरान कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए विज़न: गोवा को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक रास्ता (स्वयंपूर्ण गोवा) का एक विजन दस्तावेज विज़न फॉर डेवलपमेंट ऑफ ऐग्रिकल्चरल एण्ड एलाइड सेक्टर : अ वे टूवर्ड्स मैकिंग गोवा सेल्फ रेलियंट (स्वयंपूर्ण गोवा) 25 अगस्त, 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से विमोचन किया। आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई. द्वारा माननीय मुख्यमंत्री गोवा सरकार सचिव (कृषि) के मार्गदर्शन में और राज्य लाइन विभागों के परामर्श से विजन दस्तावेज तैयार किया गया। यह दस्तावेज आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई. ओल्ड गोवा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

उत्पादकता आय और आजीविका वृद्धि के माध्यम से तटीय क्षेत्र में नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कृषि–मत्स्यपालन प्रणालियों को एकीकृत करना – वेबिनार

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 1 सितंबर 2021 को उत्पादकता आय और आजीविका वृद्धि के माध्यम से तटीय क्षेत्र में नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कृषि–मत्स्यपालन प्रणालियों को एकीकृत करना विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का आयोजन एक्वाकल्चर में सिस्टम विविधिकरण पर राष्ट्रीय अभियान के एक भाग के रूप में किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, विभागाध्यक्ष, किसानों, उद्यमियों, छात्रों, शोधकर्ताओं और अन्य हितधारकों सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

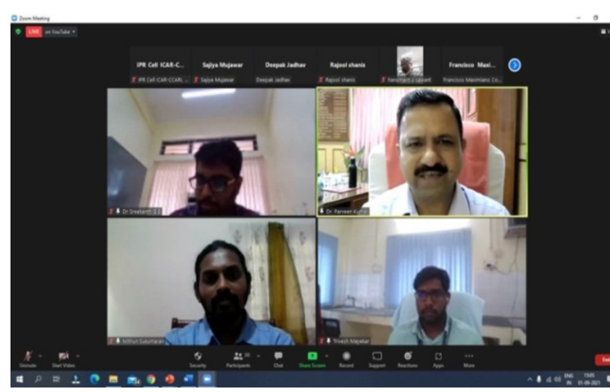

गोवा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'स्वयंपूर्ण मित्रों' के लिए कृषि पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

योजना, सांख्यिकी और मूल्यांकन निदेशालय गोवा द्वारा आई.सी.ए.आर. –कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा और भाकृअनुप –केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा के सहयोग से 20-21 सितंबर 2021 के दौरान स्वयंपूर्ण मित्रों के लिए कृषि पर एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तरी गोवा के 104 स्वयंपूर्ण मित्रों ने 20 सितम्बर को और

दक्षिण गोवा से 95 स्वयंपूर्णा मित्रों ने 21 सितम्बर को भाग लिया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन समारोह में गोवा सरकार के माननीय मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत ने भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने गोवा के किसानों के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने स्वयंपूर्णा मित्रों से नियमित रूप से भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का दौरा करने और विभिन्न फसलों की उत्पादकता बढ़ाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए कृषक समुदाय को भाकृअनुप प्रौद्योगिकियों के प्रसार में मदद करने का भी प्रेरित किया।

जैविक खेती पर वेबिनार

27 सितम्बर 2021 को भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने जैविक खेती पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, ए.आई.सी.आर.पी.–आई.एफ.एस. परियोजना के पीआई, विभागाध्यक्ष, किसानों, उद्यमियों, छात्रों, शोधकर्ताओं और अन्य हितधारकों सहित करीब 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

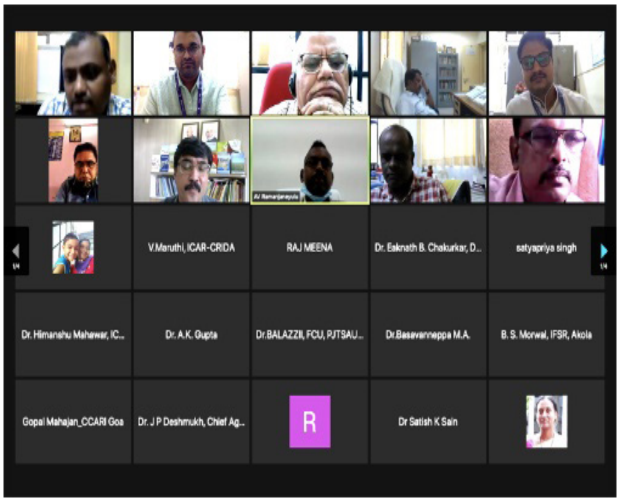

भारत सरकार के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी ने गोवा की एक महिला किसान श्रीमती दर्शना पेडनेकर के साथ बातचीत की

भारत सरकार के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी ने 28 सितंबर 2021 को उत्तरी गोवा के बारदेज़ तालुका के पर्रा गांव की एक महिला किसान श्रीमती दर्शना पेडनेकर के साथ एक आभासी कार्यक्रम मंच के माध्यम से जलवायु प्रतिरोधी कृषि और आई.सी.ए.आर.–एन.आई.ए.बी.एस.एम. के उद्घाटन पर एक कार्यक्रम के दौरान बातचीत की। बातचीत के दौरान, उन्होंने भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान और कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा, द्वारा प्रदान की गई प्रौद्योगिकियों और प्रशिक्षणों के बारे में बातचित किया।

आम उत्पादन प्रसंस्करण और विपणन के अवसरों में हाल की प्रगति पर तकनीकी संगोष्ठी

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 5 अक्टूबर 2022 को आम उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के अवसरों में नवीन प्रौद्योगिकी पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गोवा राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (जी.एस.सी.एस. एंड टी.) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, एवं नाबार्ड द्वारा उत्प्रेरित और समर्थित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य फोकस मनकुराद आम के लिए भौगोलिक संकेत (जी.आई.) पंजीकरण की मांग को बढ़ावा देना था।

कृषि व्यापार इनक्यूबेशन पर संवेदीकरण कार्यशाला

सनस्थन में कृषिजन्य व्यापार इनक्यूवेटर (अग्नि) के माध्यम से स्टार्ट–अप के पोषण के लिए 10 नवंबर, 2021 को इच्छुक व समविक उद्यमियों के लिए कृषि–व्यापार इनक्यूबेशन पर संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्थान में आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने 5 जून 2021 को नक्षत्र गार्डन की स्थापना करके विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कार्यक्रम में निदेशक, वैज्ञानिक प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया। निदेशक डॉ प्रवीण कुमार ने अपने संबोधन में धरती के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

विश्व योग दिवस

19 जून 2021 को श्वसन और प्रतिरक्षा के लिए योग पर एक ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डॉ. प्रवीण कुमार, निदेशक, भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अपने संबोधन में योग के विज्ञान और महामारी से लड़ने के लिए हमारे शरीर की प्रतिरक्षा और बढ़ाने में इसकी भूमिका (मन की फिटनेस) पर भी बात की। ईशा फाउंडेशन के योग वीर श्री दिकर पागुई ने सद्गुरु योग और प्रतिरक्षा बढ़ाने में इसके लाभों पर बात की। उन्होंने फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने और प्रतिरक्षा में सुधार के लिए सिंहक्रिया, साष्टांग और मकरासन का प्रदर्शन किया।

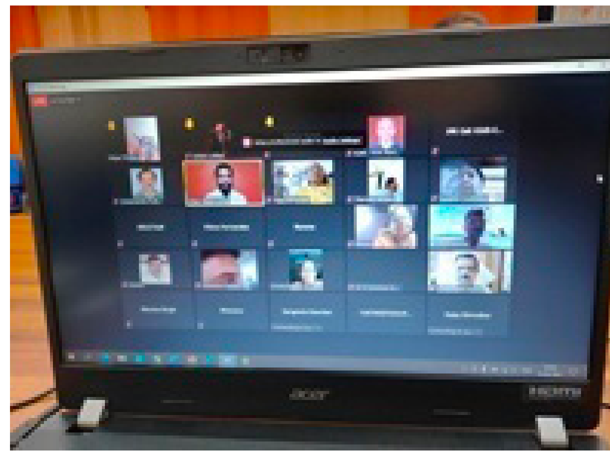

राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने 10 जुलाई 2021 को सतत मत्स्य पालन विकास के लिए विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए काकरा मछली पकड़ने वाले म छुवाही गांव में जुआरी नदमुख के मछुआरों और किसानों के साथ टिकाऊ मत्स्य पालन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन पर एक राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया। विभिन्न मछली पकड़ने वाले गांवों जैसे कि काकरा, ओडक्सेल, नॉक्सिम बाम्बोलिम और सिरिडाओ के कुल 40 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

93 वां भाकृअनुप स्थापना दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के रूप में भारत का अमृत महोत्सव के तहत 93 वें आई.सी.ए.आर. स्थापना दिवस के अवसर पर 16 जुलाई 2021 सुबह 10:30 बजे वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई., गोवा के निदेशक डॉ प्रवीण कुमार ने आई.सी.ए.आर. स्थापना दिवस पर कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने पर्यावरण और पारिस्थितिकीय स्थिरता की दृष्टि से पेड़ लगाने और किसानों की आजीविका में सुधार लाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वृक्षारोपण किया गया और संस्थान के 'सी' ब्लॉक के बंधों पर सागवान सहित विभिन्न प्रजातियों के 200 पेड़ लगाए गए।

विश्व नारियल दिवस

2 सितंबर 2021 को भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान ओल्ड गोवा में विश्व नारियल दिवस मनाया गया। उन्नीस प्रतिभागियों को घटना के दौरान एक नारियल चढ़ाई उपकरण प्रदान किया गया। नारियल चढ़ाई उपकरण के इस्तेमाल पर एक प्रदर्शन भी आयोजित कि गई।

महिला किसान दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने 15 अक्टूबर 2021 को गोवा राज्य के बारदेज़ तालुका के पर्रा गांव में महिला किसान दिवस मनाया। रोजगार सृजन और आमदनी कि बढ़ोत्तरी हेतु कटहल, कोकम और नारियल जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध फलों के प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में करीब 60 कृषक महिलाएं एवं कृषक शामिल हुए।

विश्व खाद्य दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 16 अक्टूबर 2021 को गोवा में तीसवाड़ी तालुका के दिवार नामक गांव में विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा 1970 से जारी किए गए सिक्कों को भी प्रदर्शित किया गया। स्वस्थ और पौष्टिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने के लिए बाजरा दलहन किया गया व सब्जियों के प्रयोग से खाना पकाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की, इसमे 24 कृषक महिलाओं ने भाग लिया और पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 52 किसान भाइयों और बहने शामिल हुईं।

धान की फसल का प्रक्षेत्र प्रदर्शन दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा ने 25 अक्टूबर 2021 को उत्तरी गोवा में चोड़न के सादेती वाडो में धान का फील्ड डे का आयोजन किया गया ताकि संस्थान की लवणता–सहिष्णु धान की विविध किस्मों का प्रदर्शन किया जा सके। लगभग 30 किसानों ने फील्ड डे में भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य फोकस स्वाधीन भारत, सत्यनिष्ठा के साथ आत्मनिर्भरता था।

विश्व मत्स्य पालन दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 21 नवंबर 2021 को गोवा के मारडोल के मंगेशकर मंदिर में गोवा की लघु स्थानीय मछलियों के संरक्षण और प्रबंधन पर एक अभियान का आयोजन करके विश्व मत्स्य पालन दिवस मनाया। सात स्थानीय मछली के प्रजातियों के कुल 500 संख्या को मंदिर के तालाब में छोड़ा गया था। इसे इन–सीटू संरक्षण की एक विधि के रूप में माना जाता है।

विश्व मृदा दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 5 दिसंबर 2021 को विश्व मृदा दिवस मनाया। वर्ष 2021 के लिए विश्व मृदा दिवस का विषय 'Halt Soil Salinization -Boost Soil Productivity' था। भारत सरकार के माननीय राज्य मंत्री पर्यटन और बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, श्री श्रीपद येसो नाइकजी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

किसान दिवस

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 23 दिसंबर 2021 को भारत के 5वें प्रधान मंत्री, श्री चौधरी चरण सिंह, जिन्होंने भारतीय किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियों की शुरुआत की के जन्मदिन पर किसान दिवस मनाया।

समझौता ज्ञापन

VEGFST को लोकप्रिय बनाने के लिए भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा और आई.सी.ए.आर.–सी.पी.आर.आई., शिमला के बीच सम झौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए।

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा और भाकृअनुप– केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला के बीच 18 अगस्त, 2021 को वीईजीफास्ट प्रौद्योगिकी के रूप में छत पर सब्जी की खेती पर सहयोगात्मक अनुसंधान करने और तटीय क्षेत्र की प्रचलित कृषि स्थितियों के लिए उपयुक्त इस तकनीकी का एक संशोधित मॉडल विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किया।

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने मोंटफोर्ट अकादमी, गोवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 14 अक्टूबर 2021 को भाकृअनुप– केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा और मोंटफोर्ट अकादमी, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोरलिम गोवा ने एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य लघु और सीमांत भूमि जोत पर वैज्ञानिक कृषि मशीनीकरण और कृषि के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों के क्षमता निर्माण पर गतिविधियों को मजबूत करना है।

प्रदर्शनियों/ कार्यक्रमों में भागीदारी

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव–2021 का आउटरीच कार्यक्रम

भाकृअनुप–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल–2021 (आई.आई.एस.एफ.–2021) 29 नवंबर, 2021 को वी.डी. और एस.वी. वागले हाई स्कूल, मंगेशी, मार्डोल, गोवा में एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हाई स्कूल के छात्रों के बीच विज्ञान शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढाने के लिए आयोजित किया गया था। आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के लगभग 150 छात्रों और स्कूल के कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव –2021

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 10-13 दिसंबर, 2021 के दौरान पणजी, गोवा में आयोजित 7वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव –2021 (आई.आई.एस.एफ. –2021) में भाग लिया। आई.आई.एस.एफ. –2021 का विषय एक समृद्ध भारत के लिए रचनात्मकता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का जश्न मनाना था। इस मेगा इवेंट का उद्घाटन माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया।

विशिष्ट आगंतुकों

संसदीय स्थायी समिति का भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में आगमन

श्री पर्वतगौडा गद्दीगौडर की अध्यक्षता में नौ माननीय सांसदों के दल ने कृषि पशुपालन और मत्स्य पालन अनुसंधान और विकास का अध्ययन करने के लिए 6 सितंबर 2021 का भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का दौरा किया। टीम ने नारियल आधारित फसल प्रणाली, नारियल–हेलिकोनिया, आम जर्मप्लाज्म ब्लॉक सहित प्रयोगात्मक क्षेत्रों का दौरा किया। टीम ने परिसर में आयोजित प्रदर्शनी स्टालों का भी दौरा किया और संस्थान की विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उत्तरी गोवा के कृषि विज्ञान केंद्र की विस्तार गतिविधियों का अवलोकन किया। सदस्यों ने यात्रा के दौरान वैज्ञानिकों और कुछ प्रगतिशील किसानों के साथ भी बातचीत की।

माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी का भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में आगमन

माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी ने २४ सितंबर २०२१ को आई.सी.ए.आर.–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा का दौरा किया। इस अवसर पर गोवा सरकार के माननीय उप–मुख्यमंत्री श्री चन्द्रकांत बाबू कावलेकर भी उपस्थित थे। माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री ने संस्थान की उपलब्धियों और नवाचारों की सराहना की और 75 जिलों को कवर करने वाले 9 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैले तटीय क्षेत्र के इतने विशाल परिचालन वातावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए टीम की सराहना की।

सु. श्री. शोभा करंदलाजे, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार का भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में आगमन

माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने 29 सितंबर 2021 को आईसीएआर–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा का दौरा किया। प्रदर्शनी में आई.सी.ए.आर. के कर्मचारियों द्वारा माननीय मंत्री का स्वागत किया गया, जहां संस्थान और के. वी.के. की सभी अभिनव प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी के दौरान माननीय मंत्री जी के हाथों महिला किसानों को नारियल चढ़ाई मशीन, उन्नत किस्मों के सब्जी बीज आदि कृषि सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों और नवाचारों की सराहना की और 9 तटीय राज्यों एंव 75 जिलों, 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैले परिचालन वातावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई. और के. वी.के. की टीम को बधाई दिया।

माननीय केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, भारत सरकार श्री पुरुषोत्तम रूपाला जी का आगमन

भारत सरकार के केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, श्री पुरुषोत्तम रूपालाजी ने 11 दिसंबर 2021 को संस्थान का दौरा किया। उनके साथ गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत, गोवा सरकार के मत्स्य पालन और जल संसाधन विभाग के मंत्री श्री फिलिप नेरी रोड्रिग्स, मत्स्य पालन विभाग के सचिव श्री जेएन स्वैन, संयुक्त सचिव (एन.एल.एम./पी.सी.) डॉ ओ.पी. चौधरी और संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) श्री जे. बालाजी भी मौजूद थे।

संस्थान में विशिष्ट अतिथिगण का आगमन विवरण

दिनांक	आगंतुक का नाम	पदनाम / संस्थान / स्थान
19-02-2021	डॉ. प्रदीप सरमोकदम	सदस्य सचिव, जैव विविधता बोर्ड, गोवा
29-09-2021	श्री नेविल अल्फोंसो	निदेशक, कृषि निदेशालय, गोवा
26-08-2021	डॉ. अदुलुल इस्लाम	सहायक महानिदेशक (मृदा एवं जल प्रबंधन), प्रा.सं.प्र, भाकृअनुप, नई दिल्ली
06-09-2021	श्री पर्वतगौड़ा गद्दीगोडार	कृषि पर संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता में नौ माननीय संसद सदस्यों की यात्रा
20-09-2021 21-09-2021	डॉ दुर्गा प्रसाद	निदेशक, योजना, सांख्यिकी और मूल्यांकन निदेशालय, गोवा सरकार
11/12/2021	डॉ. प्रमोद सावंत	माननीय मुख्यमंत्री, गोवा
24-09-2021	श्री कैलाश चौधरी	माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार
29-09-2021	श्रीमती शोभा करंदलाजे	माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार
29-09-2021	श्री कुलदीप सिंह गंगार	सचिव (कृषि), गोवा
30-09-2021	श्री विनय तेंदुलकर	माननीय सांसद (राज्य सभा) गोवा
05-10-2021	डॉ. तारिक थॉमस	सचिव, डी.एस.टी. और डब्ल्यू.एम., गोवा
05-10-2021	श्रीमती उषा रमेश	महाप्रबंधक, नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, गोवा
05-12-2021	श्री श्रीपद येसो नाईक	माननीय राज्य मंत्री, पर्यटन और बंदरगाह, नौरवहन और जलमार्ग, भारत सरकार
11-12-2021	श्री पुरुषोत्तम रूपाला	माननीय केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, भारत सरकार
11/12/2021	श्री फिलिप नेरी रोड्रिग्स	मत्स्य पालन एवं जल संसाधन विभाग, गोवा सरकार

संस्थान की समितियां एंव बैठकों की सूची

अनुसंधान सलाहकार समिति

भा कृ अनु प –केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान के लिए नौवीं (खद) अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.) का गठन 14/08/2020 से 13/08/2023 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए किया गया था। आर.ए.सी. की संरचना नीचे दी गई है।

नाम एवं पता	कार्य
डॉ. तपस भट्टाचार्य पूर्व कुलपति, डॉ. बाळासाहेब सावंत कोकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, महाराष्ट्र	अध्यक्ष
डॉ. एम.ए. शंकर पूर्व निदेशक अनुसंधान, यू.ए.एस., बेंगलुरु, प्रथम मुख्य सड़क, एच.जी.एच. लेआउट, गंगानगर, बेंगलुरु– 560032, कर्नाटक	सदस्य
डॉ. वी. एल. देवोपुरकर पूर्व–अनुसंधान निदेशक, एम.ए.एफ..एसयू. ओम बांग्ला, प्लॉट नंबर –88, संगम सोसाइटी, बिबवेवाड़ी, पुणे – 411037, महाराष्ट्र	सदस्य
डॉ. दिलीप डोरा एक्स. प्रोफेसर, बागवानी और पूर्व डीन (पीजी) ऊत, भुवनेश्वर ताला सही, पीओ – खोर्धा – 752055, ओडिशा	सदस्य
डॉ. बबन इनगोले विजिटिंग वैज्ञानिक ई.एस.एस.ओ–नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च, वास्को, गोवा	सदस्य
डॉ अनुपम मिश्रा कुलपति केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल	सदस्य
श्री दत्ताप्रसाद पी. खोलकर, घ. नं 245–ए/9, गणेशपुरी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मापुसा गोवा	सदस्य (प्रबंधन समिति प्रतिनिधि)
श्री प्रभाकर गोवंकर घ. नं. 21, बेंडर्डन, बल्ली वाया कंकोलिम, सालसेटे गोवा – 403703	सदस्य (प्रबंधन समिति प्रतिनिधि)
डॉ. अदलुल इस्लाम सहायक महानिदेशक (मृदा एवं जल प्रबंधन), प्रा.सं.प्र, भाकृअनुप, नई दिल्ली	सदस्य
डॉ. प्रवीण कुमार निदेशक, भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	सदस्य
डॉ. शिवशंरणप्पा एन. वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड, गोवा	सदस्य सचिव

संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक

संस्थान की 32 वीं वार्षिक संस्थान अनुसंधान परिषद की बैठक 9 -13 अगस्त 2022 के दौरान आयोजित की गई थी। बैठक के अध्यक्ष संस्थान के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार थे। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों का स्वागत किया और इस बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने चल रही परियोजनाओं या नए परियोजनाओं प्रस्तावों में आर.ए.सी. की सिफारिशों को शामिल करने और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकताओं आधारित अनुसंधान परियोजनाओं को चालू करने का सुझाव दिया। वैज्ञानिकों ने पिछली आई.आर.सी. बैठक की सिफारिशों पर की गई कार्रवाई और पिछले एक वर्ष के दौरान की गई अनुसंधान गतिविधियों पर विचार–विमर्श किया। अध्यक्ष ने सभी परियोजनाओं की गहन समीक्षा की और परियोजनाओं में और सुधार के लिए सकारात्मक टिप्पणियां दिए।

संस्थान प्रबंधन समिति

परिषद द्वारा संस्थान के वित्तीय और प्रशासनिक मार्गदर्शन के लिए 22/06/2020-21/06/2023 के तीन वर्षों की अवधि के लिए संस्थान प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

नाम	पता	पद
डॉ. प्रवीण कुमार	निदेशक भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	अध्यक्ष
श्री. नेविल अल्फानसो	कृषि निदेशक, कृषि निदेशालय, गोवा सरकार, कृषि भवन, टोंका, कारनजालेम, गोवा.	सदस्य
डॉ. बी. एन. सावंत	अनुसंधान निदेशक, आर.एफ.आर.एस. वेंगुरला, महाराष्ट्र	सदस्य
डॉ. पी. सी. हल्द्वनेकर	एसोसिएट डीन, बागवानी महाविद्यालय, डॉ. बाळासाहेब सावंत कोकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, महाराष्ट्र	सदस्य
डॉ. जगदीश राणे	भाकृअनुप– राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती	प्रभारी, प्रमुख
डॉ. जेलोका	प्रमुख वैज्ञानिक एवं आई/सी. आई.सी.ए.आर.–सी.एम.एफ.आर.आई. कारवार अनुसंधान केंद्र, कारवार, कर्नाटक	सदस्य
डॉ. रवि भट	कार्यवाहक प्रमुख, आई.सी.ए.आर.–सी.पी.सी.आर.आई., कुदलूपी.ओ. कासरगोड	सदस्य
डॉ. के. एन. भिलेगांवकर	कृषि महाविद्यालय परिसर, शिवाजीनगर, पुणे	सदस्य
डॉ. अदलुल इस्लाम	सहायक महानिदेशक (मृदा एवं जल प्रबंधन), प्रा.सं.प्र, भाकृअनुप, नई दिल्ली	सदस्य
श्री सौरभ मुनी	वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी, भाकृअनुप, नई दिल्ली	सदस्य
श्रीमती. मोंटिया रीटा डीसिल्वा	प्रशासनिक अधिकारी, भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	सदस्य सचिव

गोवा राज्य के संबंधित विभागों के साथ बैठक

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा, ने 3 जून, 2021 को गोवा सरकार के कृषि निदेशालय के साथ और 4 जून, 2021 को पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय और मत्स्य पालन निदेशालय के साथ राज्य स्तरीय अंतरफलक बैठक आयोजित की गई। आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई. के निदेशक ने बैठक की अध्यक्षता की और संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और गोवा के किसानों के बीच संस्थान प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने के लिए लाइन विभागों के साथ सहयोग पर जोर दिया। बैठक में आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई. के वैज्ञानिकों, उत्तरी गोवा के कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञ और तीनों विकास विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

परामर्श बैठक

भाकृअनुप – केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 31 जुलाई, 2021 को आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई., गोवा के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से अनुसंधान की प्रभावशीलता बढ़ाने और अनुसंधान के भविष्य के निर्देशों पर राय मांगने पर एक हितधारक परामर्श बैठक का आयोजन किया। अनुसंधान जरूरतों का आकलन करने, किसानों, मछुआरों, उद्यमियों और तटीय क्षेत्र के अन्य हितधारकों के सामने आने वाले मुद्दों की पहचान करने के लिए हितधारकों के साथ बातचीत की गई और फीडबैक प्राप्त किए गए। राज्य के तटीय जिलों के कृ.वी.के. के प्रगतिशील किसानों, उद्यमियों, प्रसंस्करणकर्ताओं, प्रतिनिधियों ने भाग लिया कुल 60 प्रतिभागियों ने इस बैठक में संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य तटीय राज्यों के सरकारी अधिकारियों, कृषि अनुसंधान स्टेशनों के कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा और कृषि निदेशालय, भारत सरकार के बीच बैठक

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई.) ने 30 नवंबर, 2021 को डॉ. प्रवीण कुमार, निदेशक, की अध्यक्षता में आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई., ओल्ड गोवा में कृषि निदेशालय के अधिकारियों के साथ एक इंटरफेस बैठक का आयोजन किया। बैठक में आई.सी.ए.आर. के सभी वैज्ञानिकों और कृषि विभाग, भारत सरकार, कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा और कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण गोवा के 12 अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान पूर्व–खरिफ़ बैठक के निर्णयों से संबंधित कार्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। वर्तमान बैठक के लिए प्राप्त लगभग 25 नए एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और इसके समाधान के लिए कार्य बिंदुओं को तैयार किया गया।

अनुसूचित जनजातीय योजना (एस.टी.सी.) और अनुसूचित जनजातीय उप योजना (एस.सी.एस.पी.)

इस कार्यक्रम के तहत, वर्ष 2021 के दौरान भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा में कई गतिविधियां शुरू जिनका सारांश निम्नलिखित है:

लगभग 72 नारियल बागानों के श्रमिकों को नारियल चढ़ाई उपकरण के प्रयोग में प्रशिक्षित किया गया और नारियल चढ़ाई उपकरण प्रदान किए गए। अनुसूचित जातीय किसानों को ब्रश/घास काटने की मशीनें भी प्रदान की गईं। अनुसूचित जातीय किसानों को नारियल और इंटरक्रॉप्स केलिए उपयुक्त रोपण सामग्री दी गई।

कुडाल, सिंधुदुर्ग के तीन अनुसूचित जातीय किसानों को सुपारी की नर्सरी उगाने केलिए 500 बीज नट्स और आवश्यक नर्सरी बैग और खाद प्रदान करके प्रशिक्षित किया गया था। पांच किसानों को एक–एक नारियल चढ़ाई उपकरण भी प्रदान किया गया।

इस उप–योजना के तहत, पालघर जिले (महाराष्ट्र) के 27 प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक शूकर पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। महाराष्ट्र के अनुसूचित जनजातीय समुदाय के छ:शूकर किसानों और गोवा से अनुसूचित जनजातीय समुदाय के सात किसानों को पिगलेट (75% सीबी), फ़ीड मिश्रण और औषधीय पूरक की आपूर्ति की गई थी। गोवा के सात किसानों को शूकरके अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत पिगलेट (30 नंबर), फ़ीड, खनिज मिश्रण और औषधीय पूरक आहार आदि वितरित की गए।

अनुसूचित जनजातीय उप–योजना (एस. सी.एस.पी.) के तहत कुडाल तालुका, सिंधदुर्ग, म हाराष्ट्र के गनवाले गांव के पैंतीस लाभार्थी किसानों के लिए एक प्रशिक्षण और कृषि आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। धान, नारियल और काजू उत्पादकों को उर्वरक (1500 कि. ग्राम) और स्प्रेयर (12 नंबर) जैसे इनपुट वितरित किए गए।

दीवार द्वीप के गाँव के अनुसूचित जनजातीय समुदाय के 15 व्यक्तियों को ऊंचे नारियल की बेनौलिम किस्म के पौधों के उत्पादन तकनीकी का प्रदर्शन । और वितरण किया गया।लाभार्थियों को नारियल के पेड़ पर चढ़ने के उपकरण भी प्रदान किए गए।

अनुसूचित जनजातीय योजना (एस.टी.सी.) और अनुसूचित जनजातीय उप योजना (एस.सी.एस.पी.) के तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा में 26-27 फरवरी 2021 के दौरान वैज्ञानिक शूकर पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पालघर जिले (महाराष्ट्र) के कुल सात प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।महाराष्ट्र के अनुसूचित जनजातीय समुदाय के छ:शूकर किसानों और गोवा से अनुसूचित जनजातीय समुदाय के सात किसानों को पिगलेट (75% सीबी), फ़ीड मिश्रण और औषधीय पूरक की आपूर्ति की गई थी। गोवा के सात किसानों को शूकर पर ए. आई. सीआरपी के एससीएसपी के तहत पिगलेट (30 संख्या), चारा, खनिज मिश्रण और औषधीय पूरक भा.कृ.अनु.प के अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के तहत वितरित की गए।

संस्थान द्वारा 7 मार्च 2021 को जयगढ़ गांव में मछली पकड़ने के गियर और जलीय कृषि इनपुट का वितरण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जयगढ़ के मछुआरों (स्वयं सहायता समूह के सदस्यों) के बीच मछली पकड़ने के गियर (विभिन्न प्रकार के गिलनेट) सामग्री और जलीय कृषि इनपुट जैसे फ़ीड, प्रोबायोटिक्स और दवाएं वितरित की गईं। गांव के पारंपरिक मछुआरों ने इस पहल का स्वागत किया और संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियों में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित किया।

9 मार्च 2021 को अनुसूचित जातीय उप–योजना (एस.सी.एस.पी.) योजना के तहत कुडाल तालुका, सिंधदुर्ग, महाराष्ट्र के गनवाले गांव के लाभार्थी किसानों के लिए एक प्रशिक्षण और कृषि इनपुट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। धान, नारियल और काजू उत्पादकों (35 किसानों) को उर्वरक (1500 किलोग्राम) और स्प्रेयर (12 संख्या) वितरित किए गए।

1 जून 2021 को भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा के लंबे नारियल की बेनौलिम किस्म के पौधों का उत्पादन पर प्रशिक्षण एवं वितरण किया गया। तिस्वाडी तालुक के दिवार गांव द्वीप के अनुसूचित जनजातीय समुदाय के कुल 15 लाभार्थियों को नारियल चढ़ाई उपकरण और नारियल के पौधे प्रदान किए गए।

19 जुलाई 2021 को धान का फील्ड डे और किसान–वैज्ञानिक परचर्चा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान, एस.एच.जी. के सभी वैज्ञानिकों और जनजातीय किसानों करेला, खीरा, सांप लौकी, कद्दू आदि जैसी स्थानीय सब्जियों की उत्पादन तकनीक के एफ.एल.डी. प्रक्षेत्रों का दौरा किया, गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की और आगे की कार्य योजनाओं पर चर्चा की। आगामी खरीफ और रबी मौसमों के लिए इन खेतों पर हस्तक्षेप तय करने पर भी चर्चा की गई। मौजूदा परिस्थितियों और किसानों के समस्याओं को ध्यान रखते हुए वैज्ञानिकों की टीम ने आगामी हस्तक्षेपों एवं कार्य योजना तैयार की।

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा ने 25 अगस्त, 2120 को एस.सी.एस.पी. कार्यक्रम के तहत कडाटोका, होनावर में कृषि आय में सुधार के लिए रणनीतियां पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। उत्तर कन्नडा के कुम्टा और होनावर तालुकों के लाभार्थी किसानों को सुपारी, काली मिर्च, लौंग, ऑलस्पाइस, जायफल, कोकम, वेनिला और सब्जियों के गुणवत्तापूर्ण बीज व रोपण सामग्री वितरित किया। अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए इन किसानों को मधुमक्खी के बक्से भी उपलब्ध कराए गए।

संस्थान के अनुसूचित जातीय उप योजना (एससीएसपी) कार्यक्रम के तहत भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 27 अगस्त 2021 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम , शूकर पालन की वैज्ञानिक प्रथाओं सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। गोवा के विभिन्न हिस्सों से कुल सात प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया था।

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा द्वारा 8 अक्टूबर को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के कुडाल तालुका के घवनाले गांव में 'तटीय किसानों की उत्पादकता और आय में सुधार के लिए साइट–विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन' पर एससीएसपी के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 2021. प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण फसलों में साइट–विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन, ऑर्गेनिक्स की तैयारी और उत्पादकता और आय में सुधार के लिए महत्वपूर्ण फसलों के उपयोग और पश्चिमी तटीय क्षेत्र के लिए उपयुक्त जल संचयन संरचनाओं पर तकनीकी सत्र शामिल थे।

जनजातीय योजना के तहत 8 नवंबर 2021 को भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान गोवा में एक बकरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अनुसूचित जनजातीय किसानों (5 संख्या) का चयन किया गया जिन्हें बकरी पालन का अनुभव था और उन्हें बकरियां प्रदान की गईं। निदेशक और वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ खेती की योजना और खेती में उनकी बाधाओं के बारे में बातचीत की। प्रत्येक किसान को वयस्क नर और मादा बकरियों की एक जोड़ी वितरित की गई।

भाकृअनुप – केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा

क्र. सं.	नाम	पदनाम	अतिरिक्त प्रभार
अनुसंधान प्रबंधन			
1.	डॉ. ई बी चाकुरकर (30/04/2021 तक) डॉ. प्रवीण कुमार (01/05/2021 से)	निदेशक (अ) निदेशक	
वैज्ञानिक कर्मचारी			
2.	डॉ. एस.के. सिंह	प्रमुख वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)	
3.	डॉ. वी. अरुणाचलम	प्रमुख वैज्ञानिक (बागवानी)	विभागाध्यक्ष
4.	डॉ. ए. आर. देसाई	प्रमुख वैज्ञानिक (बागवानी)	बागवानी विज्ञान
5.	डॉ आर. रमेश	प्रमुख वैज्ञानिक (पौध प्रजनन)	फसल विज्ञान एकेएमयू सेल, आरएसी
6.	डॉ. मतला जूलियट गुप्ता	वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि संरचना और प्रक्रिया इंजीनियरिंग)	पीएमई/ पीआईएमएस
7.	डॉ. मनोहर के.के.	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)	आईआरसी
8.	डॉ. शिवशरणप्पा एन (8/10/2021 तक)	वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशु रोग)	विभागाध्यक्ष पशु और मछली विज्ञान
9.	डॉ आरसोलोमन राजकुमार	वैज्ञानिक (पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी)	विभागाध्यक्ष पशु और मछली विज्ञान (9.10.2022 से)
10.	डॉ. आर. मारुतदुरई	वैज्ञानिक (कृषि कीटविज्ञान)	पुस्तकालय
11.	डॉ. गोकुल दास पीपी	वैज्ञानिक (पशु प्रजनन)	
12.	डॉ. महाजन जी.आर.	वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान)	विभागाध्यक्ष एन आर एम

13.	डॉ. श्रीपद भट्ट,	वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र)	आईपीआर
14.	डॉ. सुसीता राजकुमार	वैज्ञानिक (पशु रोग)	
15.	डॉ. श्रीकांत जी.बी.	वैज्ञानिक (मशीनरी संसाधन प्रबंधन)	
16.	डॉ. उथप्पा ए.आर.	वैज्ञानिक (कृषि वानिकी)	
17.	डॉ. चौधरी गणेश वासुदेव	वैज्ञानिक (शाकाहारी विज्ञान)	
18.	श्री त्रिवेश एस. मयेकर	वैज्ञानिक (मत्स्य आनुवंशिकी और प्रजनन)	
19.	डॉ. मनीषा एस.आर.	वैज्ञानिक (फल विज्ञान)	
20.	डॉ. परमेशा वी.	वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान)	
21.	डॉ. बप्पा दास	वैज्ञानिक (कृषि मौसम)	
22	डॉ. सुजीत देसाई	वैज्ञानिक (भूमि और जल प्रबंधन इंजीनियरिंग)	संसाधन आई.एस.ओ.
23.	डॉ. निबेदिता नायक	वैज्ञानिक (पोल्ट्री विज्ञान)	
24.	डॉ. अमिया रंजन साहू	वैज्ञानिक (पशु आनुवंशिकी और प्रजनन)	
तकनीकी स्टाफ			
1.	श्रीमती. मदीना सोल्लापुरी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (एस्टेट)	
2.	श्री. विनोद उबर हांडे	कृषि अधीक्षक	
3.	श्री. राहुल कुलकर्णी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (कृषिविज्ञान)	
4.	श्री. सिद्धार्थ के. मराठे	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (पीएमई सेल)	जनसंपर्क अधिकारी – i
5.	श्री. एडवर्ड क्रस्तो	तकनीकी अधिकारी (स्टॉकमैन)	जनसंपर्क अधिकारी – ii
6.	श्रीमती. प्रांजलि वाडेकर	तकनीकी अधिकारी (एकेएमयू)	
7.	श्री. योगानंद गावडे	तकनीकी अधिकारी (विद्युत)	
8.	श्री. सुरेश एम. गोम्स	वरिष्ठ तकनीकी सहायक(ट्रेक्टर ड्राइवर)	
9.	श्री. ओमर इलरॉय फ्रांसिस्को डीसिल्वा	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	
10.	श्री. प्रकाश परवार	वरिष्ठ तकनीशियन	
11.	श्री. गोकुलदास गावस	वरिष्ठ तकनीशियन	
12	श्री. दत्ता वेलिप	वरिष्ठ तकनीशियन	
13.	श्री. लक्ष्मण नायक	वरिष्ठ तकनीशियन	
प्रशासनिक और लेखा कर्मचारी			
1.	श्री. सोमनाथ (27/10/2021 तक)	प्रशासनिक अधिकारी	
2.	श्रीमती. लिज़ेट मारिया कारमेल नोरोन्हा	निजी सचिव	

3.	श्रीमती. मोंटिया रीटा डीसिल्वा	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	स्थापना /बिल
4.	श्रीमती. स्नेहा अर्लेकर	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	निर्माण
5.	श्रीमती. प्रतिभा सावंत	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	
6.	श्रीमती. सोहिनी सावंत	सहायक	
7.	श्रीमती. तारिका उसापकर	निजी सहायक	
8.	श्री. विनोद पागी	सहायक	
9.	श्रीमती. बुशरा अंसारी	स्टेनोग्राफर ग्रेड iii	
10.	श्रीमती. चित्रा काणकोणकर	उच्च श्रेणी लिपिक	
13.	श्री. व्यास हिरेन कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	
14.	श्रीमती. सुजाता एस. काम्बले	अवर श्रेणी लिपिक	
15.	श्रीमती. स्वाति खांडेपारकर	अवर श्रेणी लिपिक	
16.	सुश्री. कुशमाला चालवाडी	अवर श्रेणी लिपिक	
17.	श्रीमती. सरिता शेलको	प्रशासनिक अधिकारी	
कुशल सहायक कर्मचारी			
1.	श्री. सुभाष मेलेकर		
2.	श्री. धाकू काणकोणकर		
3	श्री. अशोक गाडेकर		
4.	श्री. चिमनु तिवरेकर		
5.	श्री. अनिल खांडेपारकर		
6.	श्रीमती. मारिया एस डायस		
7.	श्री. गिरी मडकईकर		
8.	श्री. उमेश मार्सेलकर		
9.	श्रीमती. प्रफुल्ल खांडेपारकर		
10.	श्रीमती. रेखा यू नायक		
11.	श्रीमती. ललिता नाइक		
12.	श्रीमती. प्रतिभा फोलकर		
13.	श्री. रवि एस कदम		
14.	श्री. विलास पी.गांवकर		
15.	श्री. प्रभाकर गांवकर		
16.	श्री. सीताराम कुनकोलिकर		
17.	श्रीमती. जनिका एस शिरोडकर		
18.	श्री. शानू जी वेलिप		
19.	श्री. नितिन ज नाइक		
20.	श्री. प्रल्हाद जाम्बुलिकर		

कृषि विज्ञान केंद्र उत्तर – गोवा

क्र.सं.	नाम	पदनाम	अतिरिक्त प्रभार
तकनीकी स्टाफ			
1.	श्री. एचआरसी प्रभु	विषय वस्तु विशेषज्ञ टी–9 (पादप सुरक्षा)	कार्यक्रम संयोजक
2.	श्रीमती. सुनेत्रा तळावलीकर	विषय विशेषज्ञ टी–9 (गृह विज्ञान)	
3.	डॉ. संजय कुमार उधरवार	विषय वस्तु विशेषज्ञ टी–6 (पशु विज्ञान)	अध्ययन अवकाश
4.	डॉ. मोनिका सिंह	विषय विशेषज्ञ टी–6 (कृषि विस्तार)	
5.	श्री. शशि विश्वकर्मा	तकनीकी अधिकारी टी–5 (मृदा विज्ञान)	प्रक्षेत्र प्रबंधक
6.	श्री. विश्वजीत प्रजापति	तकनीकी अधिकारी टी–5 (कंप्यूटर)	
7.	श्री. दिलकुश वेलिप	ड्राइवर टी–2	
प्रशासनिक कर्मचारी			
1.	श्री. विश्वास शर्मा	सहायक	
2.	श्रीमती. श्रेया सी. बर्वे	स्टेनोग्राफर ग्रेड iii	
कुशल सहायक कर्मचारी			
1.	श्री. पायक जे. पाडकर		

कर्मचारियों की गतिविधियाँ

अध्ययन अवकाश:

- डॉ. बप्पा दास, वैज्ञानिक (कृषि मौसम विज्ञान) को आईसीएआर–आईएआरआई, नई दिल्ली में 2020-21 के लिए आईसीएआर–डॉक्टरल अनुसंधान फैलोशिप का लाभ उठाने के लिए 12-10-2020 से 11-10-2021 तक 12 महीने की अध्ययन अवकाश प्रदान किया गया है।.
- डॉ. संजय कुमार उधरवार, विषय–वस्तु विशेषज्ञ (पशु विज्ञान), कृषि विज्ञान केंद्र उत्तर गोवा, को केरल पशु चिकित्सा में पाठ्यक्रम कार्य में भाग लेने के लिए 31-12-2020 से 30-12-2021 तक एक वर्ष की अवधि के लिए पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, वायनाड, केरल पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी में पीएचडी करने के लिए अध्ययन अवकाश दिया गया है।

नियुक्तियां

नाम	पद	पदभार की तिथि
डॉ. प्रवीण कुमार	निदेशक	01-05-2021
श्रीमती. मोंटिया रीता डीसिल्वा	प्रशासनिक अधिकारी	10-11-2021

पदोन्नति

अधिकारियों का नाम/पदनाम	वेतन बैंड/स्तर में उच्च श्रेणी के वेतन को प्रोत्साहित/ प्रदान किया गया	पदोन्नति की तिथि
डॉ. मतला जू. गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि संरचना और प्रक्रिया इंजीनियरिंग)	₹37400-67000 +RGP ₹9000/–	14-04-2014

डॉ. श्रीपाद भट्ट, वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र)	वेतन मैट्रिक्स स्तर–11	15-09-2016
श्रीमती. प्रांजलि एन. वाडेकर, तकनीकी अधिकारी (टी–5) (कंप्यूटर)	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी–6) (कंप्यूटर) वेतन स्तर 10	24-12-2018
डॉ. उथप्पा ए.आर. वैज्ञानिक (कृषि वानिकी)	वेतन मैट्रिक्स स्तर–11	01-01-2019
श्री. विनोद ए. उबरहांडे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (प्रक्षेत्र अधीक्षक)	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (टी–7/8) (कृषि अधीक्षक)	24-11-2019
श्री. राहुल एम. कुलकर्णी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (टी–7/8) (t–7/8)(मृदाविज्ञान)	01-01-2020
श्री. सोमनाथ, प्रशासनिक अधिकारी	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	27-01-2021
डॉ. उधरवर संजय कुमार वी, विषय तंत्र विशेषज्ञ (पशूविज्ञान)	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (टी–7/8) (t–7/8)(पशु विज्ञान)	02-09-2019
श्रीमती. तारिका एस. उसपकर, निजी सहायक	निजी सचिव	19-07-2021
श्री. रवि एस कदम, कुशल सहायक कर्मचारी	एमसीपीएस के तहत वित्तीय उन्नयन	20-07-2021
श्रीमती. सोहिनी एस सावंत, सहायक	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	18-11-2021
श्री. पायक पाडकर, कुशल सहायक कर्मचारी	तकनीशियन	22-12-2021

स्थानान्तरण

नाम	पद धारण	में अंतरण	स्थानांतरण की तिथि
डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर	निदेशक (प्रभारी)	भाकृअनुप– केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्टब्लेयर	28-04-2021
डॉ. शिवशंरणप्पा एन. (पशु रोग)	वरिष्ठ वैज्ञानिक	भाकृअनुप– एनआईवीइडीआई, बेंगलुरु.	08-10-2021
श्री. सोमनाथ	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	भाकृअनुप – नई दिल्ली	27-10-2021

नियुक्ति

नाम	पद जिसमें शामिल हुए	से अंतरण	स्थानांतरण की तिथि
डॉ. चौधरी गणेश वासुदेव	वैज्ञानिक (सब्जी विज्ञान)	भाकृअनुप–वीपीसीएएस, अल्मोरा	15-02-2021

सेवा निवृत्ति

नाम	पद धारण	सेवानिवृत्ति की तिथी
डॉ. बी. एल. काशीनाथ	प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, के.वी.के उत्तर गोवा	31-05-2021
श्री. धाकू नुनो काणकोणकर	कुशल सहायक कर्मचारी	31-05-2021

संस्थान का वार्षिक वहीखाता – 2021-22

(रूपये में)

क्र. सं.	मुख्य	कुल आवंटन 2021-22	खर्च (सरकारी) अनुदान 2021-22				व्यय राजस्व सृजन 2021-22	कुल व्यय 2021-22
			एनईएच	टीएसपी	एससी एसपी	अन्य		
1	निर्माण	70.95	0.00			70.95	0.00	70.95
2	उपकरण	51.66	0.00	20.85		30.81	0.00	51.66
3	सूचना प्रौद्योगिकी	8.14	0.00			8.14	0.00	8.14
4	पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाएं	1.09	0.00			1.09	0.00	1.09
5	वाहन और जहाज		0.00			0.00	0.00	0.00
6	पशुधन	2.87	0.00			2.87	0.00	2.87
7	फर्नीचर और जुड़नार	5.96	0.00			5.96	0.00	5.96
8	अन्य	0.00	0.00				0.00	0.00
	कुल पूंजी (पूंजी आस्तियों के सृजन के लिए अनुदान)	140.67	0.00	20.85	0.00	119.82	0.00	140.67
1	स्थापना व्यय (वेतन)							
	i. स्थापना शुल्क	937.73	0.00			916.62	0.00	916.62
	ii. मजदूरी	0.00	0.00				0.00	0.00
	iii. ओवरटाइम भत्ता	0.00	0.00				0.00	0.00
	कुल– स्थापना व्यय (सहायता–वेतनों में अनुदान)	937.73	0.00	0.00	0.00	916.62	0.00	916.62
1	पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	63.79	0.00			63.79	0.00	63.79
2	या. भत्ता							
	A. घरेलू टीए/अंतरण टीए	7.66	0.00			7.66	0.00	7.66
	आ. विदेशी टीए	0.00	0.00				0.00	0.00
	कुल – यात्रा भत्ता	7.66	0.00	0.00	0.00	7.66	0.00	7.66
3	अनुसंधान और परिचालन खर्च							

	शोध व्यय	92.18	0.00			108.05	1.33	109.38
	परिचालन व्यय	259.69	0.00			223.62	18.63	242.25
	कुल अनुसंधान और परिचालन खर्च	351.87	0.00	0.00	0.00	331.67	19.96	351.63
4	प्रशासनिक खर्च अवसंरचना	82.91	0.00			82.91	0.00	82.91
	संचार	0.98	0.00			0.98	0.00	0.98
	मरम्मत और रखरखाव		0.00					0.00
	i. उपकरण, वाहन और अन्य	18.70	0.00			18.70	0.00	18.70
	ii. ऑफिस बिल्डिंग		0.00			0.00	0.00	0.00
	iii. आवासीय भवन		0.00			0.00	0.00	0.00
	iv. लघु कार्य	54.04	0.00			54.04	0.00	54.04
	अन्य (टीए को छोड़कर)	56.25	0.00			56.44	0.03	56.47
	कुल – प्रशासनिक व्यय	212.88	0.00	0.00	0.00	213.07	0.03	213.10
5	विविध व्यय							
	एचआरडी	1.16	0.00			1.16	0.00	1.16
	अन्य वस्तुएं (फैलोशिप, छात्रवृत्ति आदि)		0.00				0.00	0.00
	प्रचार और प्रदर्शनियां		0.00				0.00	0.00
	अतिथि गृह – रखरखाव	16.44	0.00			16.44	0.00	16.44
	अन्य विविध	31.29	0.00	31.29			0.00	31.29
	कुल विविध व्यय	48.89	0.00	31.29	0.00	17.60	0.00	48.89
	कुल –– अनुदान में अनुदान–सामान्य	685.09	0.00	31.29	0.00	633.79	19.99	685.07
	कुल (पूंजी + स्थापना + सामान्य)	1763.49	0.00	52.14	0.00	1670.23	19.99	1742.36
6	ऋण और अग्रिम	0.00	0.00				0.00	0.00

वित्त एवं लेखा अधिकारी

अनुसूचित जनजाती योजना के तहत वितरण कार्यक्रम
"Scheduled Castes Sub Plan"
SHOT ON REDMI 7
AI DUAL CAMERA

ICAR

MANAMEI PRAWN FEED (3)

ICAR-Central Coastal Agricultural

Distribution of

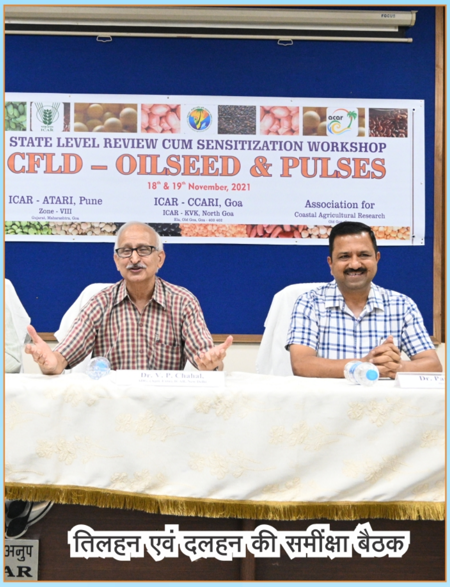

तिलहन एवं दलहन की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

पोषण वाटिक महाभियान एवं वृक्षारोपण

राष्ट्रीय मत्स्य अभियान

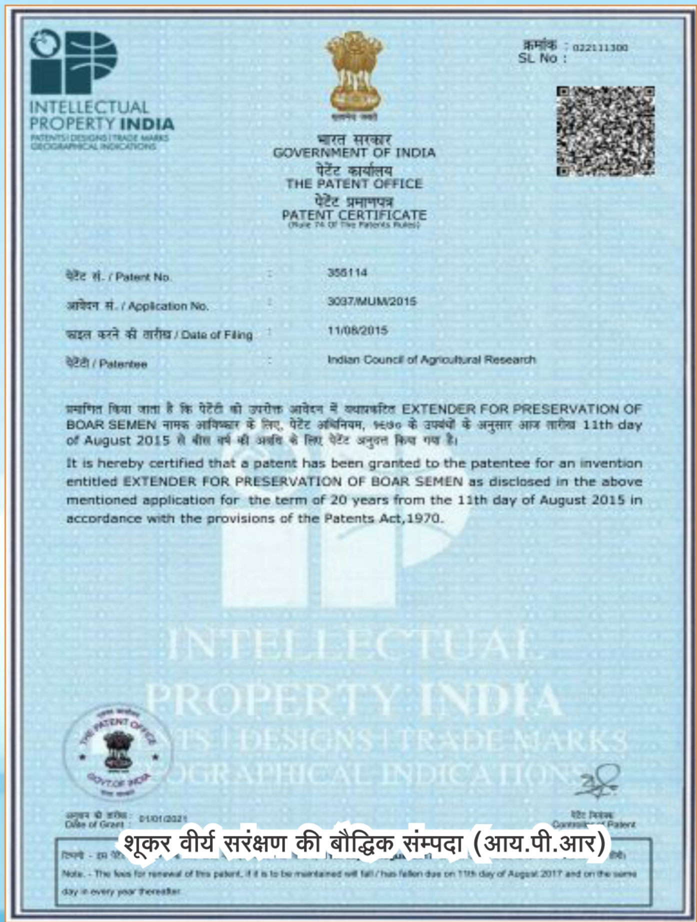

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS
GEOGRAPHICAL INDICATIONS

क्रमांक : 022111300
SL No :

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पेटेंट कार्यालय
THE PATENT OFFICE
पेटेंट प्रमाणपत्र
PATENT CERTIFICATE
(Rule 74 Of The Patents Rules)

पेटेंट सं. / Patent No.	:	356114
आवेदन सं. / Application No.	:	3037/MUM/2015
फाइल करने की तारीख / Date of Filing	:	11/08/2015
पेटेंटी / Patentee	:	Indian Council of Agricultural Research

प्रमाणित किया जाता है कि पेटेंटी को उपरोक्त आवेदन में यथाप्रकटित EXTENDER FOR PRESERVATION OF BOAR SEMEN नामक आविष्कार के लिए, पेटेंट अधिनियम, १९७० के उपबंधों के अनुसार आज तारीख 11th day of August 2015 से बीस वर्ष की अवधि के लिए पेटेंट अनुदत्त किया गया है।

It is hereby certified that a patent has been granted to the patentee for an invention entitled EXTENDER FOR PRESERVATION OF BOAR SEMEN as disclosed in the above mentioned application for the term of 20 years from the 11th day of August 2015 in accordance with the provisions of the Patents Act,1970.

अनुदान की तारीख : 01/01/2021
Date of Grant

Controller of Patent

Note. - The fees for renewal of this patent, if it is to be maintained will fall / has fallen due on 11th day of August 2017 and on the same day in every year thereafter.

शूकर वीर्य सरंक्षण की बौद्धिक संम्पदा (आय.पी.आर)

Scan Me

भाकृअनुप
ICAR

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch